नई दिल्ली
रविवार, 7 दिसंबर, 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 234
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 गिल की वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे टी-20

परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण का नए साल में किया जाएगा आयोजन, रजिस्ट्रेशन शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे स्कूली छात्रों से सीधा संवाद, बताएंगे परीक्षा में तनाव घटाने के मंत्र

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी-26) के नौवें संस्करण का आयोजन अगले जनवरी महीने में किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्कूली छात्रों के साथ सीधा संवाद करेंगे और परीक्षा के दौरान उन्हें तनाव कम करने, परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने और जीवन का एक भाग समझते हुए आगे बढ़ने के गुरु मंत्र देंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पीपीसी में 6 से 12वीं कक्षा तक के छात्र, उनके अभिभावक और शिक्षक देश-दुनिया से भाग लेंगे। जिसके लिए मंत्रालय ने माय गाव ऑनलाइन पोर्टल (https://inovateindia1.mygov.in/) पर 1 दिसंबर से 11 जनवरी 2026 तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री से रूबरू होने वाले छात्रों के चयन के लिए ऑनलाइन एमसीक्यू आधारित प्रतियोगिता होगी। जो प्रतिभागी गतिविधि पूरी करेंगे। उन्हें माय गाव की ओर से भागीदारी का अलग से एक प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय की तरफ से हालांकि अभी तक पीपीसी-26 की आधिकारिक तारीख का ऐलान नहीं किया गया है।

8वें संस्करण में हुए 3.56 करोड़ रजिस्ट्रेशन

पीपीसी के आठवें संस्करण का प्रसारण 10 फरवरी 2025 को किया गया था। इसमें भाग लेने के लिए कुल करीब 3.56 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए थे। इसके अलावा 1.55 करोड़ लोगों ने देश में एक जन-आंदोलन के रूप में इस कार्यक्रम से जुड़ी हुई तमाम गतिविधियों में भाग लिया था। इस तरह से आठवें पीपीसी में कुल भागीदारी लगभग 5 करोड़ देखने को मिली थी। जिसके बाद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम हुआ था। 245 देशों से अधिक से छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। 153 देशों से शिक्षक 139 देशों से अभिभावक पीपीसी-25 का हिस्सा बने थे। यह आंकड़े परीक्षा पे चर्चा की 2018 में हुई शुरुआत के समय इसमें शामिल 22 हजार भागीदारों की तुलना में 2025 आते-आते आंकड़े के करोड़ों तक पहुंचने का गवाह बना।

यूं अलग था 8वां संस्करण

मंत्रालय ने बताया कि परीक्षा पे चर्चा के पिछले संस्करण का प्रसारण 10 फरवरी 2025 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने युवाओं से संवाद की अपनी इस कवायद को एक बेहद अलग और अनोखे अंदाज में पूरा किया था। जिसमें राष्ट्रीय राजधानी की सुंदर नर्सरी में सभी राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के विभिन्न स्कूलों (केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, सीबीएसई स्कूल और नवोदय विद्यालय) से आमंत्रित किए गए कुल 36 छात्रों से एक नए अंदाज में बातचीत की गई। प्रेरणा के पूर्व छात्रों, कला उत्सव और वीर गाथा के विजेताओं ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। आठवें संस्करण के सात अलग एपिसोड भी बनाए गए थे। जिनमें खेलकूद, अनुशासन, मेंटल हेल्थ से पोषण, ⏩ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पाकिस्तान की महिला की पीएम मोदी से गुहार

इंदौर। इंदौर में रह रहे पाकिस्तानी शरणार्थी विक्रम की शिकायत पाकिस्तानी महिला निकिता नागदेव ने की है। शिकायत सिंधी पंचायत में की गई लेकिन वहां भी समझौता नहीं हुआ। आरोप है कि उसके पति ने शादी के बाद उसे पाकिस्तान भेज दिया। वह उसे अटारी बार्डर पर छोड़ गया था। निकिता ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मदद मांगी है।

नड्डा ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में किए दर्शन

देवघर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन किए। पंडा धर्मरक्षिणी सभा ने मंदिर में उनका स्वागत किया। नड्डा ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव के दर्शन किए। पार्टी अध्यक्ष देवघर में संघ के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे।

11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। राज्य में कई अभियानों के तहत 11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए जाने के साथ संदिग्ध तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई कार्बी आंगलोंग और कछार जिले में की गई। असम पुलिस लगातार ऐसे अभियान चला रही है।

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के समापन के ठीक अगले दिन शनिवार को बोले विदेश मंत्री

रूस के राष्ट्रपति की यात्रा से प्रभावित नहीं होंगे अमेरिका संग भारत के संबंध: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस से तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के चुनौतीपूर्ण दौर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय यात्रा बीते शुक्रवार को सफलता के साथ संपन्न हो चुकी है। लेकिन उनकी यात्रा से पहले और उसके दौरान अमेरिका की प्रतिक्रिया व भारत के प्रति उसका भावी रुख मीडिया की सुर्खियों में छाया रहा।

इसे लेकर राजधानी में आयोजित एक निजी समाचार पत्र समूह के कार्यक्रम में शनिवार को जब विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर से सवाल पूछा गया तो उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता का साफ तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति के स्वदेश दौरे से अमेरिका के साथ हमारे संबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सब जानते हैं कि भारत के दुनिया के तमाम बड़े देशों के साथ संबंध हैं। रूस के साथ भारत के संबंध दुनिया के सबसे मजबूत संबंधों में से एक हैं।

उन्होंने कहा, विदेश नीति किसी फिल्म से बिलकुल अलग होती है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत आना अमेरिका, यूरोप के लिए क्या अहमियत रखता है? इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि नई दिल्ली और मॉस्को के बीच क्या हुआ?

बातचीत से समाधान निकालने पर जोर

विदेश मंत्री ने पुतिन की यात्रा का भविष्य में होने वाले भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर प्रभाव पड़ने को लेकर जारी अफवाहों को गलत करार दिया और कहा कि अमेरिका के

प्रत्येक राष्ट्रपति का दुनिया के साथ व्यवहार करने का अपना अलग अंदाज रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप का भी अपना अलग तरीका है। वर्तमान में कुछ चीजों को लेकर भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हुए हैं। जिनका हम बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। भारत अपने किसानों और मझौले उद्योगों के हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अमेरिका के साथ भारत के तीन दशक (80, 90 और 2000) में आर्थिक संबंध सशक्त हुए हैं। यूरोप के साथ भी हमारा रिश्ता है। लेकिन वो प्राथमिक साझेदार की संज्ञा चीन को ही देते हैं। ज्ञात हो कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत की एक बार फिर से इस महीने 10 दिसंबर को शुरुआत हो सकती है।

सारी चिंताओं की जड़ पाकिस्तान

उन्होंने पाकिस्तान और उसके भारत के खिलाफ लगातार आग उगलने वाले सेनाप्रमुख जनरल असीम मुनीर को लेकर कहा कि दुनिया में कुछ सेनाओं के प्रमुख अच्छे होते हैं, तो कुछ के नहीं होते। पाकिस्तानी सेना हमेशा से ही हमारे सामने एक हकीकत के रूप में खड़ी रही है। भारत की सभी चिंताओं के पीछे सीमापार बैठा पाकिस्तान ही है। लेकिन उसे लेकर हमें बहुत अधिक चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत द्वारा की गई कार्यवाही के बाद क्या वैश्विक स्तर पर भारत को कूटनीतिक दृष्टिकोण से अलग-थलग करने की कोशिश हुई है? प्रश्न के जवाब में जयशंकर ने कहा, सबसे पहले हमें भारत और पाकिस्तान की स्थिति, क्षमता व छवि को साफ-साफ समझना पड़ेगा। हम कहां खड़े हैं और वो कहां खड़े हैं? इसके अलावा दोनों के बीच किसी तरह की तुलना करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं मानता हूं कि समस्याएं हैं। लेकिन भारत उनसे निपट लेगा।

बीते करीब 8 दशक में जहां दुनिया एक ओर उतार-चढ़ाव से जूझती रही। वहीं, दूसरी ओर रूस के साथ हमारे संबंध डिगे नहीं बल्कि मजबूत बने रहे हैं। हम किसके साथ दोस्ती करें या किससे न करें। इसे तय करने का पूरा अधिकार हमारा है। दुनिया के किसी देश का हमसे ये उम्मीद करना कि हम किसी अन्य देश के साथ उसकी राय के मुताबिक संबंध बनाएंगे। तो यह संभव नहीं है। कार्यक्रम में उन्होंने देश की विदेश नीति, वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य और बांग्लादेश, पाकिस्तान से जुड़े हुए कई प्रश्नों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए।

हसीना के प्रवास से जुड़ी 'विशेष परिस्थिति'

भारत में शरण ली हुई बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के मामले पर जयशंकर ने कहा कि 'विशेष परिस्थिति' ही वो सबसे बड़ा कारण है। जिसकी वजह से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री नई दिल्ली पहुंची थीं। ये परिस्थिति बताने के लिए काफी है कि उनके साथ क्या हुआ था? उन्होंने कहा कि यही विशेष परिस्थिति ही शेख हसीना के भारत प्रवास का मूल कारण है। हालांकि यहां रहना उनका निजी फैसला है। लेकिन फिर यह एक ऐसी बात है, जिस पर मैं ये भी कहना चाहूंगा कि उन्हें (हसीना) ही अपना मन बनाना होगा। बताते चलें कि शेख हसीना पिछले साल अगस्त महीने में हुए युवा छात्रों के हिंसक सरकार विरोधी आंदोलन की वजह से देश छोड़कर नई दिल्ली पहुंची थी। इसके बाद हालिया समय में बांग्लादेश के एक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने उनकी गैर-मौजूदगी में उनके खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। इसी के तहत बांग्लादेश ने बीते दिनों भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। जयशंकर के मुताबिक, भारत का पड़ोसी देश को लेकर यही रुख रहा है कि वहां पर एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ते हुए निष्पक्ष चुनाव कराए जाने चाहिए।

इंडिगो संकट: पांचवें दिन भी 1000 से ज्यादा उड़ानें रद्द रही

बेलगाम किराए पर रोक सरकार ने तय की टिकटों की दरें, तत्काल रिफंड के दिए निर्देश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बीते पांच दिनों में इंडिगो की 2000 से ज्यादा उड़ानें रद्द होने से हजारों यात्री प्रभावित हुए हैं। इसे मद्देनजर रखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि वह रद्द उड़ानों के लिए किराया वापसी की प्रक्रिया रविवार शाम तक पूरी कर ले। मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइन सुनिश्चित करे कि यात्रियों का सामान भी अगले दो दिनों में पहुंचा दिया जाए।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की ओर से शनिवार को पांचवें दिन 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करने से पैदा हुई दिक्कतों के एक दिन बाद मंत्रालय ने कहा कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी या गैर-अनुपालन पर तत्काल नियामक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सभी रद्द या बाधित उड़ानों के लिए ⏩ शेष पेज 5 पर

सरकार ने हवाई किराया किया फिक्स

500 किमी तक की दूरी: अधिकतम किराया 7500 रुपए

500-1000 किमी की दूरी: अधिकतम किराया 12000 रुपए

1000-1500 किमी की दूरी: अधिकतम किराया 15000 रुपए

1500 किमी से अधिक की दूरी: अधिकतम किराया 18000 रुपए।

पांचवें दिन कहां कितनी विमानें रद्द

शनिवार को भी 400 से ज्यादा इंडिगो की उड़ानें रद्द हुई हैं। जिनमें दिल्ली एयरपोर्ट पर 106, मुंबई हवाई अड्डे पर सुबह 9 बजे तक 109, , मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड पर 108, पुणे हवाई अड्डे पर 42, हैदराबाद एयरपोर्ट पर 69, अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 19, तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर 6 उड़ानें रद्द हुई हैं। शुक्रवार को इंडिगो की ⏩ शेष पेज 5 पर

नई बाबरी मस्जिद की रखी नींव

विधायक हुमांयू कबीर बोले कोई ताकत रोक नहीं सकती

एजेंसी ⏭ मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी। हुमांयू कबीर ने मस्जिद की

आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए गए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही हजारों की ⏩ शेष पेज 5 पर

भाजपा सांसद ने राज्यसभा में पेश किया विधेयक

संविधान की प्रस्तावना से हटे 'सेक्युलर-सोशलिस्ट' शब्द

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राज्यसभा में भाजपा सांसद भीम सिंह द्वारा पेश किए गए प्राइवेट मेंबर बिल ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। इस बिल में संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटाने की मांग की गई है।

सांसद सिंह का कहना है कि ये शब्द आपातकाल के दौरान बिना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जोड़े गए थे और अब इन्हें हटाकर संविधान को

उसके मूल रूप में लौटाना जरूरी है। भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा कि मूल संविधान में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे और इन्हें 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संशोधन के जरिए जोड़ा था। उनका आरोप है ⏩ शेष पेज 5 पर

आतंकी घटनाओं की दोनों देशों ने आलोचना की

भारत-अमेरिका राजी, व्यापक कदमों से किया जाना चाहिए आतंकवाद से मुकाबला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवाद से मुकाबले पर गठित किए गए संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) और सातवें डेजिगनेशंस डायलॉग की एक अहम बैठक हुई।

जिसमें दोनों देशों की व्यापक अंतरराष्ट्रीय सामरिक साझेदारी की भावना के तहत इस वैश्विक चुनौती का मुकाबला करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग के महत्व को पूरी दृढ़ता के साथ रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों, प्रकारों (सीमा पार आतंकवाद शामिल) की कड़ी निंदा की। साथ ही आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बढ़ते मानव रहित विमानों (यूएवी), ड्रोन और कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल पर चिंता जताई है।

भारत के पहलगाम और लाल किले के पास हुए बम धमाके की घटनाओं की दोनों देशों ने सख्त अंदाज में आलोचना की है। यह जानकारी ⏩ शेष पेज 5 पर

सूचनाएं साझा करेंगे कानूनी सहयोग बढ़ाएंगे

बयान के मुताबिक, भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने बैठक में कानून की अनुपालन के साथ ही न्यायिक सहयोग को बढ़ाने के मामले पर चर्चा की। जिसमें सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ ही साझा कानूनी सहायता अनुरोध का मुद्दा शामिल किया गया। आतंकियों की भर्ती, आतंकी उद्देश्य से किए जाने वाले तकनीक के इस्तेमाल और आतंकवाद के लिए धन मुहैया कराने जैसे परंपरागत ⏩ शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत इंस्टॉलेशन तेज करने के भी दिए आदेश

हरियाणा के सभी सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाएं जाएं: नायब सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए है कि राज्य के सभी सरकारी भवनों जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कार्यालय, गोदाम आदि पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जाएं, ताकि राज्य को हरित ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को सिविल सचिवालय में ऊर्जा (पावर) क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को राज्य में घर-घर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के मासिक उपलब्ध आँकड़ों की भी जानकारी ली और सख्त मॉनिटरिंग और जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्यभर में बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा के लिए सोलर पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की प्रमुख सड़कों और राजमार्गों से पुराने और खराब बिजली खंभों को तुरंत हटाने के भी आदेश दिए, ताकि सार्वजनिक सुरक्षा बढ़े और सड़क सौंदर्य में सुधार हो। हरियाणा पॉवर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) के चेयरमैन श्यामल मिश्रा ने बताया कि 20 नवंबर 2025 तक राज्य में 42,486 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। 31 मार्च 2027 तक 2,22,000 रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने ⏩ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि- आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी को दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

मप्र, छग एवं हरियाणा की कई हस्तियों ने किया याद, कैप्टन अभिमन्यु बोले-स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का सामाजिक दायरा बहुत बड़ा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

हरिभूमि-आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी स्व.श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का 25 नवंबर को देवलोक गमन होने के बाद से ही उनके यहां श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

शनिवार को भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा सहित कई राज्यों की बड़ी हस्तियां डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी, पूजा व गंगा प्रसादी में शामिल हुईं। इस मौके पर स्व.श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का स्मरण करते हरियाणा

कैप्टन अभिमन्यु श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए

सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि स्व. पंडित कीर्ति नारायण एक महान समाज सेवी थे। उनका समाज सेवा का दायरा काफी बड़ा था। जो भी उनके संपर्क में आया वो उनका सेवाभाव देखकर हैरान रह गया। मैं खुद भी उनसे कई बार मिला हूं, उनकी व्यवहार कुशलता को देखकर काफी प्रभावित हुआ। उनका व्यक्तित्व ही उनके कोमल हृदय और संवेदनशीलता के प्रति स्वतः इशारा कर देने वाला था। वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक धर्मलाल कौशिक ने कहा कि दिव्य आत्मा को मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था

कौशिक ने कहा कि उनकी सरलता और सभी अपने परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके पुण्य कर्म और उनका बताया गया रास्ता हम सबके लिए हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। इसी तरह मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गी, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, खाद्य मंत्री ⏩ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

शंकर मार्केट और आईडब्ल्यूपीसी को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। बम की फर्जी धमकियों का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। दो जगहों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इनमें भारतीय महिला प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) और शंकर मार्केट शामिल है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। घंटों की जांच पड़ताल के बाद इसे अफवाह घोषित किया गया। पुलिस के अनुसार आईपीडब्ल्यूसी को एक ईमेल के माध्यम से विंडसर प्लेस स्थित उसके परिसर में विस्फोटक रखे जाने की धमकी मिली। यह सूचना दोपहर करीब 1.30 बजे प्राप्त हुई। एक अन्य मैसेज में कनॉट प्लेस क्षेत्र के शंकर मार्केट को भी इसी तरह की धमकी दी गई। इसके बाद बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और दमकल की गाड़ियों के साथ कई पुलिस टीमें दोनों जगहों पर पहुंचीं और गहन जांच की। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा परिसर की तलाशी लेने के दौरान इलाकों की घेराबंदी कर दी गई थी और अंदर जाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। किसी भी स्थान पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। गहन निरीक्षण के बाद दोनों धमकियों को अफवाह घोषित कर दिया गया।

किराने की दुकान में लगी आग, दंपति की मौत

नई दिल्ली। मुंडका थाना इलाके के टिकरी कलां में शुक्रवार देर रात किराने की दुकान में आग लग गई। दुकान में भरे धुएं से दंपति का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। मृतकों के नाम उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिला निवासी विनीत (31) और पत्नी रेणू (29) बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला कि दुकान के काउंटर के बाहर शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। आग लगने के बाद काउंटर पर रखे प्लास्टिक के सामान में आग लग गई। इस वजह से दंपति दुकान से बाहर नहीं निकल पाये और उन्होंने बचने की कोशिश में शटर नीचे गिरा दिया और खुद को अंदर बंद कर लिया। दुकान में भरे धुएं से उनका दम घुट गया। पुलिस ने शटर तोड़कर दोनों को दुकान से बाहर निकाला और बहादुरगढ़ के अस्पताल ले गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि मुंडका थाना पुलिस को शुक्रवार रात करीब नौ बजे खसरा नंबर 34/16/2, स्कूल वाली गली, लेखराम पार्क, टिकरी कलां में आग लगने के संबंध में सूचना मिली थी। मौके पर क्राइम और एफएसएल टीम भी पहुंची। दमकल विभाग को आग की सूचना 8.58 पर मिली। दो गाड़ियां मौके पर भेजी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पकड़े गये सभी आरोपी हरियाणा के जींद, हिसार और रोहतक के रहने वाले

सोना लूटने वाले नकली पुलिस और इनकम टैक्स स्क्वाड का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

मध्य जिले की प्रसाद नगर और स्पेशल स्टाफ पुलिस ने हरियाणा के नकली पुलिस और इनकम टैक्स स्क्वाड का भंडाफोड़ करते हुये पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गत दिनों करोल बाग में एक किलो सोने की लूट में यह गैंग शामिल था। 250 से ज्यादा कैमरों की बारीकी से जांच कर आरोपियों का सुराग पुलिस के हाथ लगा। इसके बाद दिल्ली और हरियाणा में लगातार 72 घंटे चले मल्टी-सिटी ऑपरेशन के बाद जींद निवासी संदीप, राकेश शर्मा उर्फ केशा, हिसार निवासी शमिंदर पाल सिंह उर्फ सन्नी, लवप्रीत सिंह उर्फ काका और रोहतक निवासी परविंदर को गिरफ्तार किया गया।

एडिशनल डीसीपी रिषी कुमार के अनुसार दिल्ली, बहादुरगढ़, गुरुग्राम, सोनीपत, पानीपत, रोहतक, झज्जर, हिसार और जींद में लगभग 1200 किलोमीटर तक इन बदमाशों का पीछा किया गया। चोरी का 435.03 ग्राम सोना और 3.97 लाख रुपये कैश बरामद किया गया। अपराध में इस्तेमाल की गई तीन कारें भी जब्त की गई है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस लिखे डोरी वाले पांच आईडी कार्ड होल्डर भी बरामद किये गये हैं। गौरतलब है कि 27 नवंबर को करोल बाग इलाके में स्थित एक ज्वेलरी बनाने वाली वर्कशॉप के मालिक ने प्रसाद नगर थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि पांच अज्ञात व्यक्ति जिनमें से एक ने दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और चार अन्य सिविल कपड़ों में इनकम टैक्स अधिकारी बनकर आए थे, उनकी वर्कशॉप में घुस गए। शिकायतकर्ता और उसके कर्मचारियों के मोबाइल फोन छीन लिए और फर्जी तलाशी लेकर वर्कशॉप से लगभग 1 किलो 1 ग्राम सोना अवैध रूप से उठाकर ले गये। आरोपी वर्कशॉप में लगा सीसीटीवी डीवीआर भी साथ ले गये थे।

फायरिंग केस में वांटेड आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने सीमापुरी इलाके के फायरिंग केस में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम जतिन बताया गया है। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि गत 22 नवंबर को बाइक सवार चार से पांच लड़कों ने शिकायतकर्ता सलीम के घर पर गोलियां चलाई थी। वारदात के वक्त शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी घर की बालकनी में खड़े थे। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में केस दर्ज किया था। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई गई। इसके बाद टीम ने गुप्त सूचना के बाद आरोपी जतिन को पकड़ लिया। पूछताछ में जतिन ने फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसने आगे बताया कि वह अपने साथियों आदित्य उर्फ एड्डी, आदित्य और जफर के साथ बाइक पर शिकायतकर्ता के घर पहुंचा और कई राउंड गोलियां चलाई। बाद में वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरीदाबाद में अपने मामा के घर चला गया था।

डेढ़ माह के बच्चे का अपहरण और तस्करी केस में पांच अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की मेट्रो पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम देवकी, मंजू देवी (44), शीला (35), धीर सिंह (40) और बनीता (35) बताये गये हैं। हाल ही में गिरोह ने डेढ़ माह के एक बच्चे का अपहरण कर उसे बेचने की कोशिश की थी। मासूम को सकुशल बरामद कर लिया गया है। डीसीपी कुशल पाल सिंह ने बताया कि गत चार जून को सीलमपुर मेट्रो स्टेशन से एक नवजात बच्चे के अपहरण की सूचना पुलिस को मिली थी। शिकायतकर्ता पूनम ने बताया कि एक महिला बच्चे को लेकर फरार हुई है। शिकायत पर शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन थाने केस दर्ज किया गया। आरोपी को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर उमेश राणा के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये। महिला की पहचान देवकी के रूप में हुई। आगे जांच में पता चला कि आरोपी महिला उत्तर प्रदेश के महोबा में रहती है। छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में देवकी ने बताया किया कि उसने मंजू के कहने पर बच्चे का अपहरण किया था और बाद में उसे आर्य नगर में 1.5 लाख रुपये में बेच दिया। उसकी निशानदेही पर बच्चा धीर सिंह की पत्नी बनीता से बरामद हुआ। इसके बाद बनीता, धीर सिंह, शीला और मंजू को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी देवकी ने पुलिस को बताया कि वह पति से अलग रहती थी और सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थी। जिसके जरिए वह लोगों से संपर्क बनाती थी। मंजू देवी गांधी नगर की एक आंगनबाड़ी में सहायिका है और बच्चे बेचने में मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी। धीर सिंह कैमरा लगाने वाला निजी ठेकेदार है और बच्चे को खरीदने की कोशिश में शामिल पाया गया। उसकी पत्नी बनीता घरेलू सहायिका है और इस खरीद में उसकी सहयोगी थी। दंपति के चार बेटियां है।

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के समापन पर भी होंगे बड़े कार्यक्रमः कालका

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा है कि गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के समापन पर भी बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। इसके अलावा खालसा सजना दिवस पर विशाल अमृत संचार कार्यक्रम का आयोजन भी होगा। कालका गुरुद्वारा माता सुंदरी जी में गुरमत संगीत अकादमी के छात्रों और स्टाफ द्वारा करवाए गए शुक्राना समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कालका के अलावा कमेटी महासचिव जगदीप सिंह काहलों सहित अन्य मौजूद थे। अपने संबोधन में कालका ने कहा कि जिस तरह गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें साल के समारोह लाल किले पर बड़े स्तर पर मनाए गए हैं। उसी तरह साल-भर चलने वाले कार्यक्रमों के बाद समापन समारोह भी बड़े स्तर पर मनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि देश-विदेश से संगतों ने लाखों की संख्या में लाल किले पर हुए कार्यक्रमों में हाजिरी भरी, जिसके लिए हम संगतों के दिल से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में दिल्ली सरकार की भागीदारी के लिए हम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के आभारी हैं, जिन्होंने दिल्ली सरकार की इन कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करवाई। उन्होंने कहा कि सरकार के शामिल होने से इन कार्यक्रमों का बड़े स्तर पर प्रचार भी हुआ, और कमेटी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। कालका ने कहा कि हम साल भर चलने वाले 350वें शहीदी दिवस के कार्यक्रमों के समापन पर विशाल आयोजन करने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें हर वर्ग की भागीदारी कराकर इस कार्यक्रम को भी यादगार बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि 13 अप्रैल को खालसा सजना दिवस के मौके पर विशाल अमृत संचार कार्यक्रम करवाया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों को अमृत छकाने का प्रयास किया जाएगा और इसके लिए वे जल्द ही विभिन्न गुरु घरों के हेड ग्रंथियों और अन्य वर्गों के साथ बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में बीबीयों का भी महत्वपूर्ण रोल रहेगा। उन्होंने कहा कि वे सभी बीबीयों के भी आभारी हैं, जिन्होंने सहज पाठों की श्रृंखला शुरू करने और सामूहिक कीर्तन करने के लिए बहुत ही सराहनीय काम किया।

सांसद ने किया जन शौचालय का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ प्रशांत विहार में भी किया कई कार्यों का लोकार्पण

सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने शनिवार को वॉर्ड नंबर - 27 सेक्टर-24 स्थित डीडीए पार्क (विकास भारती एवं डीपीएस स्कूल के बीच) में नवनिर्मित टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली के उपमहापौर मास्टर जय भगवान यादव ने की। कार्यक्रम में सभी मंडल पदाधिकारी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं मातृ सम्मान का संदेश दिया गया।

वहीं, प्रशांत विहार क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिसका नेतृत्व दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया, दिल्ली नगर निगम के नेता सदन प्रवेश वाही व उत्तर-पश्चिम जिले के जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत ने किया। वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने संयुक्त रूप से वीर सावरकर पार्क में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बनी चारदीवारी, नई आरसीसी सड़क और सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन किया।

सीलमपुर में कार पार्किंग को लेकर हुये विवाद में फायरिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

नॉर्थ ईस्ट जिले के सीलमपुर में घर के बाहर कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में फायरिंग का मामला सामने आया है। गनीमत रही कि गोली किसी को लगी नहीं। पुलिस ने इमरान (33) की शिकायत पर केस दर्ज किया है। एक आरोपी मोहम्मद शाहिद (38) को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा के अनुसार शनिवार तड़के 1:15 बजे सीलमपुर में फायरिंग के संबंध पीसीआर कॉल मिली। पुलिस टीम जे-ब्लॉक, सीलमपुर मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता इमरान ने बताया कि उसके भाई मोहम्मद शाहिद ने अपनी कार उनके घर के पास पार्क की थी। उन्होंने कार हटाने के लिए कहा तो वह गुस्सा हो गया। कहासुनी के दौरान मोहम्मद शाहिद ने पिस्टल से गोली चलाई और मौके से भाग गया। फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर केस दर्ज कर मोहम्मद शाहिद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हथियार के सोर्स का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

जाफराबाद में स्कूटी टकराने पर फायरिंग, तीन पकड़े

उधर जाफराबाद थाना एरिया में भी फायरिंग का केस सामने आया है। गली में स्कूटी टकराने के बाद यह घटना हुई। तीन आरोपी पकड़े गये हैं। इनसे एक पिस्तौल और दो खाली कारतूस बरामद हुए है। पुलिस के अनुसार शाम करीब 6:40 बजे जाफराबाद पुलिस स्टेशन में फायरिंग की घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि एक नाबालिग लड़का स्कूटी से गली से गुजर रहा था, तभी गलती से वह अरमान (21) निवासी जाफराबाद नाम के एक व्यक्ति से टकरा गया। दोनों के बीच बहस हो गई। अरमान ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर कथित तौर पर नाबालिग लड़के पर हमला किया। इसके बाद नाबालिग लड़का अपने पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वापस आया और उन्होंने कथित तौर पर अरमान और उसके चचेरे भाई पर हमला किया। जाफराबाद पुलिस स्टेशन में सेक्शन 109(1)/3(5) बीएनएस और 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। 16 वर्षीय नाबालिग समेत तीन लोग पकड़े गये हैं। दो के नाम यूसुफ (45) निवासी सुभाष मोहल्ला, मौजपुर और उसका बेटा यासिर (18) शामिल है।

दिल्ली सरकार और एमसीडी के बीच समन्वय नहीं, हो सकता है हादसा

दया राम ⏭नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कैबिनेट मंत्री बार- बार दावा करते रहते हैं कि दिल्ली में अब भाजपा की सरकार और सभी नगर निकायों, विभागों में समन्वय है और बेहतर कार्य हो रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर देखा जाए तो मंत्रियों के ये दावे सिर्फ भाषणों तक ही सीमित हैं। ताजा मामला दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा क्षेत्र के सिंघु गांव से सामने आया है। यहां नालियों की गहराई से सफाई नहीं हो पाने से गलियों में पानी भरा रहता है और और सीवर लाइनों के ढक्कन टूटने से अप्रिय घटना होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। ग्रामीणों

■ सीवर लाइन के टूटे ढक्कन से हादसे की आशंका

का कहना है कि कई बार तो निगम की कूड़ा उठाने वाली गाडी भी टूटे हुए सीवर में फंस चुकी है साथ ही बच्चे, बुजुर्गों आदि को भी आने जाने में परेशानी होती है। बारिश के दौरान तो कई चोटिल भी हो चुके हैं।

आप मंत्री ने किया था सीवर लाइन का उद्घाटन

ग्रामीणों के अनुसार सिंधु गांव में वर्ष 2022 के मार्च माह में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के जल बोर्ड मंत्री सत्येंद्र जैन ने स्थानीय विधायक शरद चौहान और ग्रामीणों की उपस्थिति में करीब 21 करोड़ की सीवर लाइन परियोजना का उद्घाटन किया था और मंच से बताया था कि करीब दो साल में यहां सीवर लाइन शुरू हो जाएगी लेकिन वर्तमान हालात यह हैं कि सीवर लाइन शनिवार तक शुरू नहीं हो पाई है।

सीवर लाइन पर लगाए गए ढक्कन टूटे

गांव सिंघु में जगह-जगह सीवर लाइन पर लगाए गए ढक्कन टूट चुके हैं और गत दिनों मानसून की बारिश और नालियों का पानी सीवर लाइन में जमा होकर उपर से निकलने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि सीवर लाइन बनने और गलियों का विकास होने के बाद भी नालियों की गहराई से सफाई नहीं होने के चलते सीवर लाइन से बाहर गंदा पानी निकलने लगा है और समस्या हल होने की जगह बढ़कर पहले से गंभीर हो गई है।

दिल्ली जल बोर्ड और निगम कर्मियों में आरोप-प्रत्यारोप

सीवर ढक्कनों के टूटने और हादसा होने की संभावित समस्या को लेकर दिल्ली जल बोर्ड के क्षेत्रीय जेई चेतन गुप्ता से बातचीत की गई, तो उन्होंने दावा किया कि गांव वाले ही ढक्कन तोड़ते हैं। वहीं, निगम सफाई कर्मचारी कहते हैं कि सीवर लाइन खुदाई के दौरान नालियों में दिल्ली जल बोर्ड ने मिट्टी डाल दी है।

दिव्यालिम्पिक्स 2025: सेलिब्रेटिंग एबिलिटीज का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को 'दिव्यालिम्पिक्स 2025: सेलिब्रेटिंग एबिलिटीज' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन देते हुए कहा कि "सच्चा सशक्तिकरण तब प्रारंभ होता है जब व्यवस्थाएँ क्षमता, गरिमा और अवसर को केंद्र में रखकर बनाई जाएँ"। यह कार्यक्रम आशीर्वाद फाउंडेशन ऑफ इंडिया एवं कौशल्या फाउंडेशन द्वारा जनकपुरी स्थित भारती कॉलेज में आयोजित किया गया। गुप्ता ने कहा कि दिव्यालिम्पिक्स योग्यता, सहभागिता और प्रदर्शन को सम्मानित करते हुए एक प्रगतिशील एवं गरिमापूर्ण समावेशन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि अवसर संरचित, सम्मानजनक और सुलभ हों।

सिविल लाइंस स्थित उनके महापरिनिर्वाण स्थल पर अर्पित की पुष्पांजलि

बाबा साहेब के जीवन मूल्यों पर चलकर देश को मजबूत व सशक्त बनाएं : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

बाबा साहेब के जीवन मूल्यों पर चलकर हम देश को मजबूत व सशक्त बना सकते हैं। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिविल लाइंस स्थित उनके महापरिनिर्वाण स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए यह संबोधन दिया। उन्होंने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके योगदान को नमन किया। मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब को याद करते हुए कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि उन्होंने इस स्थल को अपने महापरिनिर्वाण के लिए चुना और यह स्थल 'पंचतीर्थों' में से एक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के सम्मान में समर्पित किया

है।

इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ सरकार के कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, विधायक सूर्यप्रकाश खत्री सहित अन्य गणमान्य जन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर का जीवन और उनके आदर्श हमेशा सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। संविधान निर्माण में उनका अमूल्य योगदान और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

अंबेडकर के सपनों को धरातल पर उतार रही सरकार :इन्द्राज

विकसित भारत-विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा करने के लिए भारत रत्न डॉ. बी आर अंबेडकर के सपनों को धरातल पर उतारने का काम दिल्ली में पहली बार व्यापक स्तर पर हो रहा है। दिल्ली के समाज कल्याण एवं एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कि एससी/एसटी कल्याण विभाग की एससी बस्ती सुधार योजना के तहत 65 करोड़ 55 लाख रुपये के 114 विकास कार्य अब तक स्वीकृत हो चुके हैं साथ ही पूरी दिल्ली में स्लम और जेजे कॉलोनियों के सुधार-पुनर्वास के लिए करीब 700 करोड़ रुपए दिल्ली सरकार खर्च कर रही है।

लोकतंत्र तभी सुदृढ़ रहता है, जब मानव गरिमा हर संस्था का मार्गदर्शन करें : विजेंद्र गुप्ता

डॉ. अंबेडकर की विरासत हमें याद दिलाती है कि लोकतंत्र तभी सुदृढ़ रहता है, जब न्याय, समानता और मानव गरिमा हर संस्था का मार्गदर्शन करें। यह विचार दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को विधान सभा परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विधायक संजय गोयल तथा दिल्ली विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे और सभी ने भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा भारतीय संविधान की प्रारूप समिति का नेतृत्व भारत के लिए न्याय, समानता और व्यक्तिगत गरिमा के प्रति समर्पित एक सुदृढ़ संवैधानिक ढांचे की नींव बना। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर की संवैधानिक दृष्टि आज भी देश के लोकतांत्रिक संस्थानों के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी हुई है।

सचदेवा ने अम्बेडकर के महानिर्वाण दिवस पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर को उनके महानिर्वाण दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर की सोच को समाज के किसी एक वर्ग तक सीमित रखना उनका अपमान करने के समान है क्योंकि बाबा साहब की सोच एवं दर्शन समाज के हर वंचित व्यक्ति को शिक्षा देकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का था।

कार और बाइक की टक्कर, एक युवक की मौत, सात जख्मी

नई दिल्ली। शाहबाद डेयरी थाना अंतर्गत बवाना रोड, महादेव चौक रोहिणी के पास कार और बाइक की टक्कर में एक युवक की जान चली गई और सात लोग घायल हुये हैं। एक युवक को ज्यादा चोटें आई है। मृतक का नाम अंश (18)पुत्र कुलदीप सिंह निवासी ए-1/9 सेक्टर 35, रोहिणी के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक का नाम यशोदान (18) पुत्र दिनेश निवासी ए 50 शाहबाद डेयरी बताया गया है। कार ड्राइवर का नाम आकाश (21) पुत्र अनिल निवासी ए 461 शाहबाद डेयरी के बताया गया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार हादसे की सूचना शुक्रवार को मिली। शाहबाद डेयरी थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर एक सेंट्रो कार और बाइक एक्सीडेंट की हालत में मिली। पूछताछ करने पर पता चला कि कार बवाना की तरफ से आ रही थी और उसने बाइक पर सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद बाइक सवार दोनों युवकों और कार सवार छह लोगों को हॉस्पिटल ले जाया गया जहां अंश की मौत हो गई।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुरजीत पुत्र राज कुमार निवासी म.नं. बी-113, फेस-IV, सेक्टर-26, रोहिणी, दिल्ली** ने एफआईआर नं. **042032/2019, अन्तर्गत धारा 379/411/34 आईपीसी, थाना शाहबाद डेयरी, बाहरी उत्तर जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरजीत** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरजीत** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **042032/2019, अन्तर्गत धारा 379/411/34 आईपीसी, थाना शाहबाद डेयरी, बाहरी उत्तर जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुरजीत** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पंवार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/16238/ON/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए U/s 84 BNSS

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अमरीश पुत्रः** चंदर हास **पताः** मकान नंबर सी–3/315, नंद नगरी, दिल्ली ने **FIR No. 424/2021 U/s 356/379/34 IPC थानाः सिविल लाइन, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमरीश,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमरीश,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 424/2021 U/s 356/379/34 IPC थानाः सिविल लाइन, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अमरीश,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री कार्तिक तपारिया
जेएमएफसी–06, कमरा नंबर 247
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/15926/N/2025
(Court Matter)

धूल प्रदूषण के खिलाफ एक्शन में दिल्ली सरकार

दिल्ली में पहली बार रिंग रोड पर चला धुलाई-सफाई अभियान : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सिविल लाइंस स्थित खैबरपास चौक पर सरकार द्वारा रिंग रोड पर चल रहे व्यापक सफाई और धुलाई अभियान का नेतृत्व किया। इस दौरान सीएम रेखा ने स्वयं सड़क की सफाई और पानी के छिड़काव के कार्य में भागीदारी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने और धूल नियंत्रण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि शहर में नियमित सड़क धुलाई, मैकेनिकल स्वीपिंग और जमीनी निगरानी को अत्यंत तेज गति और गंभीरता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर दिन एक

नया कदम आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस अभियान में वह भी अपना सहयोग दे। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के प्रयास तभी सफल होंगे जब जनता भी अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार पूरे रिंग पर धुलाई अभियान चलाया गया है। इस धुलाई अभियान में मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी व स्टाफ भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बेहद गंभीर है। इसके अंतर्गत पूरी दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ व्यापक अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में पूरे रिंग रोड की धुलाई भी शामिल हे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धूल भी प्रदूषण का एक बड़ा कारक है। इससे स्थायी रूप से निपटने के लिए सड़कों का वॉल टू वॉल निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों ने पहले तो सड़कों के निर्माण में रुचि नहीं दिखाई और अगर सड़कें बनाई भी गई तों उन्हें वॉल टू वॉल नहीं बनाया गया, जिस कारण दिल्ली में पूरे वर्ष धूल उड़ती रहती है। लेकिन अब हमारी सरकार ने इसका स्थायी निदान कर लिया है।

विधायक को 10 करोड़ रुपये की दी राशि

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस प्रकार की मजबूत सड़कों को बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों को समुचित बजट दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधायक को 10 करोड़ रुपये की राशि दी जा रही है, ताकि वे अपने क्षेत्रों में इस तरह की सड़कों का निर्माण शुरू कर सकें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली सरकार प्रदूषण पर स्थायी रोक के साथ-साथ कि राजधानी में खुले में कोयला और लकड़ी जलाने पर रोक लगाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

स्वच्छ हवा और स्वच्छ दिल्ली के लिए लगातार जारी है प्रयास : प्रवेश

दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को बताया कि दिल्ली पूरे समर्पण के साथ हर स्तर पर प्रदूषण के खिलाफ लगातार एक निर्णायक अभियान चला रहा है। स्वच्छ हवा और स्वच्छ दिल्ली के लिए यह प्रयास लगातार जारी है। कई इलाकों की तस्वीरें एक्स पर साझा कर उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहली बार सैकड़ों स्प्रिंकलर गाड़ियां राजधानी के रिंग रोड की सफाई और धुलाई में जुटी हैं। हमारी सरकार का का एक ही संकल्प है कि प्रदूषण मुक्त दिल्ली हो। लोक निर्माण विभाग प्रदूषण के विरुद्ध हर स्तर पर निर्णायक और सतत युद्ध के लिए पूरी तरह सजग, सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

पंकज ने स्वच्छता को लेकर किया जेजे कॉलोनी का दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ इलाके में हो रहे विकास कार्यों का किया बारीकी से निरीक्षण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने शनिवार को बक्करवाला इलाके के जेजे कॉलोनी का दौरा कर साफ-सफाई, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और इलाके में हो रहे विकास कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

मंत्री ने अपने निरीक्षण के दौरान मौजूद स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर कामकाज के बारे में फीडबैक भी लिया। इलाके के निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि साफ-सफाई, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मैं खुद जेजे कॉलोनी में निरीक्षण करने आया हूं। स्वच्छता अभियान के तहत चल रहे सफाई कार्य, विशेषकर धूल नियंत्रण और वायु प्रदूषण कम करने के उपायों को लेकर दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम और संबंधित सभी विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। डॉ पंकज कुमार ने कहा कि राजधानी दिल्ली साफ-सुथरी और स्वच्छ दिखे, यहीं हमारी सरकार का लक्ष्य है और हम इस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करके दिखाएंगे। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने 11 वर्षों तक न पीने के साफ पानी की चिंता की, न स्वास्थ्य की, न सड़कों की, न साफ-सफाई और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की। हमारी सरकार तेज गति से विकास कार्यों के साथ दिल्ली की प्रत्येक जनता को जरूरी बुनियादी सुविधाएं और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में जुटी है।

सीएम को 10 महीने बाद ज्ञात हुआ कि मेट्रो निर्माण से होने वाले प्रदूषण पर भी करना है नियंत्रण :देवेन्द्र

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की कमान संभालने के दस महीने बाद अब जाकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पता चला है कि मेट्रो निर्माण से होने वाले प्रदूषण पर भी नियंत्रण करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा धूल और मलबे के निस्तारण के लिए एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी, दिल्ली छावनी बोर्ड, डीएमआरसी, डीडीए सहित अन्य विभागों के लिए एसओपी जारी करना चाहिए। क्योंकि धूल और मलबा निस्तारण के लिए कोई मेकेनिजम नही है जिसके कारण भी प्रदूषण में बढ़ोतरी हो रही है। यादव ने कहा कि राजधानी के खतरनाक प्रदूषण में मेट्रो निर्माण की भागीदारी पिछले कुछ वर्षों से अधिक बढ़ना सरकारों की लापरवाही है। जबकि कांग्रेस शासन के दौरान मेट्रो निर्माण से निकलने वाली मिट्टी, धूल और सड़क धुलाई सहित रातों रात मलबा हटाने की प्रक्रिया को पूरा किया जाता था।

गांधी दर्शन में आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता

नई दिल्ली। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने तथा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को एक चित्रकला (पेंटिंग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर में

आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आये करीब 5500 बच्चों ने भाग लिया। उदघाटन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि गांधी दर्शन के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि 21वीं सदी में गांधी के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। उन्होंने बताया कि बच्चों को गांधी, अटल और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रयास है। यह रचनात्मकता और देशभक्ति का संगम है। गोयल ने बताया कि गांधी दर्शन में ऐतिहासिक भागीदारी देखने को मिली, यहां बच्चों ने रंगों से देशभक्ति का संदेश रचा। सभी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं महात्मा गांधी पर पुस्तक दी गई।

प्रदूषण को लेकर नियम तोड़ने वालों पर हो तत्काल कार्रवाई : सिरसा

नई दिल्ली। 'दिल्ली में प्रदूषण मामले में कार्रवाई में कोई पक्षपात नहीं - चाहे निजी बिल्डर हो या सरकारी एजेंसी। प्रदूषण के खिलाफ़ सबको नियम मानने होंगे।' दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को डीसी, डीएम और डीएसआईआईडीसी अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर उन्हें उक्त स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चला रही है। सिरसा ने कहा कि हर जिले में सभी इंडस्ट्रीज का 7 दिन के अंदर सर्वे किया जाए, और नियम तोड़ने वालों पर तत्काल कार्रवाई हो। पर्यावरण मंत्री ने निगम डीसी को भी निर्देश दिया कि नॉन-कनफॉर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया और सभी निर्माण स्थलों का मैदान-स्तर पर सर्वे हो, ताकि जहाँ भी धूल नियंत्रण या कचरा प्रबंधन में लापरवाही हो रही है, वहाँ तुरंत जुर्माना और सीलिंग की कार्रवाई हो सके। टूटी सड़कों, गड्ढों और बिना विकसित जमीनों का भी पूरा अपडेट तुरंत तैयार को कहा गया है, ताकि दिल्ली की सड़कों पर धूल फैलने के सारे कारण नियंत्रित किए जा सकें।

बेहद खराब हवा से लोग परेशान एक्यूआई 350 पार

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बेहद खराब हवा लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। शनिवार को भी राजधानी में वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में दर्ज हुआ। जबकि सुबह और शाम के समय स्मॉग की चादर एक तरह से दिल्ली को अपने आगोश में समेटे रहती है। वहीं पारा भी लगातार सिंगल डिजिट में बना हुआ है। जबकि सुबह शाम के समय हलका कोहरा अपनी उपस्थित दर्ज करवाने में चूक नहीं रहा है। ऐसे में शनिवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 330 दर्ज हुआ जो बहुत खराब श्रेणी में माना जाता है। जबकि दिल्ली के कई क्षेत्रों में एक्यूआई 400 के पार गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वहीं दिल्ली के 35 क्षेत्र प्रदूषण के रेड जोन में रहे। सरकार के समीर ऐप के अनुसार शनिवार सुबह 6 बजे 40 एक्टिव एक्यूआई मॉनिटरिंग सेंटरों में से 35 पर प्रदूषण खतरनाक स्तर पर रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा बाकी सेंटर पर भी पॉल्यूशन की स्थिति बहुत खराब श्रेणी में रही। सबसे ज्यादा मुंडका में 378 एक्यूआई दर्ज किया गया। जानकारी अनुसार बवाना में 376, नेहरू नगर 374, रोहिणी 372, आनंद विहार 367, जहांगीरपुरी 364, आरके पुरम 363, डीटीयू 358, वजीरपुर 358, सोनिया विहार 353 और पूसा का एक्यूआई 350 दर्ज किया गया।

डीडीए के पीएम उदय सिंगल विंडो कैंप में लोगों ने जमा कराए दस्तावेज, आज भी लगेगा शिविर

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पीएम-उदय सिंगल विंडो कैंप में अनधिकृत कॉलोनियों के लोगों ने अपने भूखंड के दस्तावेज दिखाए। डीडीए के अनुसार दो दिवसीय कैंपों के तहत शनिवार को लगे ऐसे कैंपों में मौजूद अधिकारियों ने दस्तावेजों को बारीकी से जांच व उनमें मिली कमियों को दूर करने के लिए लोगों को पूरी जानकारी दी। डीडीए का कहना है कि यह कैंप अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों के लिए काफी सहायक सिद्ध हो रहे है। इसलिए डीडीए के इन कैंपों में लोग जरूर पहुंचे व अपने घर का कानूनी अधिकार आसानी से प्राप्त करें। जानकारी अनुसार इन कैंपों में मौजूद अधिकारी लोगों को अपने घर को कानूनी पहचान दिलाने में सहायता निशुल्क दी जा रही है। इनमें जैसे दस्तावेज तैयार, पंजीकरण, आवेदन और स्वीकृत मामलों के एएस - सीडी के निष्पादन का कार्य। एक अधिकारी ने बताया कि यह कैंप पीतमपुरा, द्वारका, मुनिरका, डीडीए बिल्डिंग, लक्ष्मी नगर, दीपाली चौक रोहिणी, डबल टंकी पश्चिम विहार, जीटीके डिपो के पास मुकरबा चौक, मयूर विहार बस डिपो के सामने, ढांसा स्टैंड मेट्रो स्टेशन नजफगढ़ के पास और सरिता विहार मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित किए गए। इनमें संबंधित पंजीकृत मामलों के एएस सीडी का निष्पादन। मौजूदा आवेदनों में लंबित कमियों को दूर करने में विशेष सहायता करना, नए पंजीकरण और जीआईएस सर्वेक्षण में सहायता, पंजीकृत निवासियों को आवेदन भरने में मदद और आवश्यक दस्तावेज जैसे की आई बांड, नोटरीकृत तैयार करना आदि शामिल है।

खबर संक्षेप

भाजपा ने बाबा साहेब को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि बाबा साहेब

अम्बेडकर आत्मनिर्भर भारत के सच्चे प्रेरक थे, क्योंकि वे मानते थे कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब वह अपने कौशल, शिक्षा और संसाधनों को विकसित करे। बाबा साहेब अंबेडकर स्वदेशी के समर्थक थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार, बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलकर पिछड़े, दलित, वंचित और गरीब, महिला, किसान और युवा सभी वर्गों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सामाजिक न्याय, शिक्षा, सम्मान इन चार स्तंभों पर आधारित विकास मॉडल ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है। भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल के नेतृत्व में संविधान निर्माता, रत्न डा. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

टास्क पूरा करने के नाम पर 81 हजार की ठगी

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क पूरा करने के नाम पर 81200 रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने एक

महिला खाताधारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि 10 जुलाई को एक अंजान नंबर से उसके व्हॉट्सएप पर एक लिंक आया, जिसमे वर्क फ्रॉम होम के बारे बताया गया था। लिंक पर क्लिक करते ही वह एक टेलीग्राम टास्क ग्रुप में जुड गई। जहां उसने अलग-अलग ट्रांजेक्सन के माध्यम से टेलीग्राम टास्क में कुल 81200 रूपये निवेश किये परंतु उसे कोई पैसा वापस नहीं मिला। जिस शिकायत पर साइबर थाना सेंट्रल में ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने मनीषा पाठक निवासी हल्द्वानी उत्तराखंड को उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला खाताधारक है।

बल्लभगढ़ विधानसभा में नगर निगम द्वारा शीतकालीन पौधों का वितरण

फूलों की सुगंध से व्यक्ति का मन और मस्तिष्क रहता है स्वस्थः मूलचंद शर्मा

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम फरीदाबाद द्वारा शीतकालीन फूलदार पौधों का बड़े स्तर पर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। त्रिखा कॉलोनी पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विधायक पं. मूलचंद शर्मा पहुंचे। इस दौरान लगभग 2 लाख फूलों के पौधे वितरित किए गए, जो आने वाले दिनों में घरों के आंगन, पार्कों और डिवाइडरों को सुंदरता से भर देंगे और वातावरण को अधिक स्वच्छ व स्वस्थ बनाएंगे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का मन और मस्तिष्क फूलदार पौधों की सुगंध से स्वस्थ रहता है। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

खास बातें

- वातावरण को अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाएं
- शीतकालीन फूलदार पौधों वितरित किए गए

कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने बांटे 2 लाख फूलदार पौधे

विधायक ने दिया स्पष्ट संदेशः अवैध कब्जे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुविधाओं के लिए सरकारी जमीनें ही सरकारी अस्पताल, स्कूल और सामुदायिक भवनों के निर्माण हेतु निर्धारित होती हैं, इसलिए अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सेक्टर-62 में 200 बेड के सरकारी अस्पताल के निर्माण के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। वहीं त्रिखा कॉलोनी में नई सीवर लाइन बिछाने के लिए भी जल्द ही डीपीआर तैयार कराई जाएगी, जिससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या को स्थायी समाधान मिल सकेगा। कार्यक्रम में निगम के पार्षद महेश गोयल, पार्षद योगेश शर्मा, पार्षद सोनू वैष्णव, पार्षद किरण बाला, मार्किट कमेटी के चेयरमैन संजीव बैंसला, अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह, एसडीओ नबाव खान, सफाई निरीक्षक बृजमोहन शर्मा, जेई विक्रम, स्वराज भाटी, बालकिशन, संदीप चाहर, पुष्पा शर्मा, सुषमा यादव, प्रदीप शर्मा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त विवाह पर मिलेगा विशेष सम्मान-पत्र और घर बैठे होगा विवाह पंजीकरण

फरीदाबाद में शुरू हुई प्लास्टिक डिस्पोजल फ्री समारोह, युवा मोर्चा-ननि की संयुक्त पहल

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता युवा मोर्चा फरीदाबाद एवं नगर निगम फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में मैगपाई रिसॉर्ट में एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में नगर निगम ओल्ड फरीदाबाद के संयुक्त आयुक्त राजेश प्रजापति, युवा मोर्चा फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष सचिन ठाकुर एवं युवा मोर्चा की जिला टीम उपस्थित रही। इस प्रेस वार्ता में शहर में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई नई और सार्थक मुहिम डिस्पोजल फ्री समारोह की आधिकारिक घोषणा की गई।

इस अभियान की मुख्य उद्देश्य विवाहए समारोह और सामाजिक आयोजनों में प्लास्टिक डिस्पोजल का पूर्णतः बहिष्कार करना और स्टील, कांच, लीफ प्लेट्स, मिट्टी के पात्र जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का प्रोत्साहन करना है। डिस्पोजल फ्री विवाह अपनाने वाले परिवारों को सम्मान.पत्र (प्रोत्साहन पत्र) के साथ नगर निगम द्वारा घर जाकर विवाह पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस मुहीम के तहत शहर में 500 से अधिक विवाह समारोहों को डिस्पोजल फ्री बनाने का लक्ष्य रखा गया ।

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जिलाध्यक्ष सचिन ठाकुर ने कहा कि फरीदाबाद को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। शादी और सामाजिक आयोजनों में अत्यधिक प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युवा मोर्चा और नगर निगम फरीदाबाद ने मिलकर डिस्पोजल फ्री समारोह मुहिम की शुरुआत की है ताकि समाज को जागरूक किया जा सके और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा दिया जा सके। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो भी परिवार डिस्पोजल फ्री विवाह अपनाएगा, उसे न केवल सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा, बल्कि विवाह पंजीकरण की सुविधा भी घर पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह मुहिम हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के सामाजिक कार्यों से प्रेरित है। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल एवं युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे जिले में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। इसके लिए वार्ड स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम, बैठकें एवं संवाद आयोजित किये जायेंगे। इस मुहिम में विवाह स्थल, कैटरिंग एवं टेंट व्यवसाय से जुड़े लोगों को शामिल किया जायेगा और स्कूल, कॉलेज और आरडब्ल्यूए में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

ओल्ड फरीदाबाद के संयुक्त आयुक्त राजेश प्रजापति ने कहा कि यह संयुक्त प्रयास फरीदाबाद को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने वाला बड़ा कदम है।

कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा स्टाफ

धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाएगा सलवान पब्लिक स्कूल

पत्रकारों से बातचीत करती प्रधानाचार्या

एजेंसी ▶▶ गुरुग्राम

जहां छात्रों को एक समग्र और संतुलित शिक्षण वातावरण प्रदान किया जाता है, वहीं अकादमिक, खेल और सांस्कृतिक विरासत- तीनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता को समान महत्व दिया जाता है।

रविवार से सलवान पब्लिक स्कूल अपने सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव 2025 का आयोजन करने जा रहा है। उक्त जानकारी सैक्टर 15 पार्ट 2 स्थित सलवान पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या रश्मि मलिक ने स्कूल परिसर में पत्रकारों से बातचीत में दी। इस अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक धरोहर में गहरी आस्था रखते हुए विद्यालय हुनर मेला आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस प्रकार के कार्यक्रम पहले भी आयोजित किए जाते रहे हैं, छात्र बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में लेफ्टिनेंट जनरल सुरिंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. भरत गुप्त शामिल होंगे। कार्यक्रम में सलवाल पब्लिक स्कूल ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य तथा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति व अभिभावक भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। शिक्षा अधिकारी (डीईओ) इंदु बोकन, जापान फाउंडेशन के नयानो, स्वर्णिम भारद्वाज शामिल होंगे।

ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया

फर्जी कॉलसेंटर का भंडाफोड़, 2 महिला कॉलर सहित कुल 5 गिरफ्तार, साइबर थाना बल्लभगढ़ की कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर पुलिस ने दो महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विकास नगर नांगलोई दिल्ली स्थित एक फर्जी कॉलसेंटर का भंडाफोड़ करते हुये क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी करने के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ की टीम ने 2 महिला सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर 64 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 19-20 नवंबर को उसके पास एक अंजान नंबर से कॉल आया, जिसने अपना परिचय कोटक महिन्द्रा बैंक के कर्मचारी के रुप में दिया। ठगों ने उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ओटीपी प्राप्त कर लिया। जिसके अपरांत शिकायतकर्ता के क्रेडिट कार्ड से कुल 53753 रुपए कट गए। जिस संबंध में साइबर थाना बल्लभगढ़ में ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने कोमल, आदित्य, लोकेश, राजेंद्र व तरुण निवासी दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

नगर आयुक्त ने लिया कार्यों का जायजा

खाली स्थानों पर इंटरलॉकिंग टाइल लगाते हुए सड़कों को डस्ट फ्री करने के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर भ्रमण के क्रम में निर्माण के चल रहे कार्यों का जायजा लिया गया, रोटरी गोल चक्कर, एलिवेटेड रोड, विवेकानंद नगर चौराहा, नेहरू नगर, कालका गड़ी चौक पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। मौके पर निर्माण विभाग की टीम भी उपस्थित रही निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त द्वारा कालका गड़ी पर चल रहे नाले के निर्माण का जायजा लिया गया नाले जिसकी लंबाई 692 मीटर और चौड़ाई 1.80 है नाला निर्माण से शहर तीन वार्ड 12, 88 और 96 को लाभ मिलेगा ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 34 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत विकास खण्ड लोनी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 34 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया।

संदीप चौधरी जिला समाज कल्याण अधिकारी ने संदीप चौधरी ने बताया कि योजनान्तर्गत 25,000/- की उपहार सामग्री (वर-वधु के कपड़े, चाँदी की बिछिया व पायल, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कूकर, ट्राली बैग, वैनिटी किट एवं दीवार घड़ी इत्यादि) विवाहित जोड़े को दिया जाता है। कन्या के बैंक खाते में 60 हजार की धनराशि भुगतान किए जाने का प्राविधान है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के 10 अन्य पिछड़ा वर्ग के 08 सामान्य वर्ग के 05 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 11 जोड़े कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित 23 हिन्दू जोड़ों का हिंदू रीति रिवाज से फेरे एवं जयमाल तथा मुस्लिम वर्ग के 11 जोड़ों का निकाह सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में विधायक लोनी नन्द किशोर गुर्जर एवं प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी ग़ाज़ियाबाद प्रदीप कुमार पाण्डेय ने उपस्थित विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी खण्ड विकास अधिकारी सुश्री विन्नी यादव एवं समाज कल्याण विभाग तथा विकास खण्ड लोनी कार्यालय के कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

शपथ ग्रहण के बाद आश्रम पहुंचे पार्षद जसवंत सैनी

महाराजश्री से आशीर्वाद लेकर शहर के सुख समृद्धि की कामना की

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुण्ड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम (श्री लक्ष्मी नारायण दिव्यधाम मंदिर) में मनोनीत पार्षद की शपथ लेने के बाद पहली बार पहुंचे जसवंत पंवार सैनी व उनकी टीम ने पूजा-अर्चना की।

श्री गुरु महाराज जी (अनंतश्री विभूषित इंद्रप्रस्थ एवं हरियाणा पीठाधीश्वर श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज, अधिपति श्री सिद्धदाता आश्रम) का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पार्षद श्री सैनी ने कहा कि मुझे मेरे जीवन में रोशनी और संबल श्री गुरु महाराज जी से ही प्राप्त होता है। इस अवसर पर उनके साथ राम गौड़, हिमान्शु भट्ट, सुनील सैनी, अमर रघुवंशी, ब्रह्मजीत नागर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुरूषोत्तमाचार्य जी महाराज को बताया कि जब-जब उन्होंने इस पावन धरा पर आकर फरीदाबाद की जनता के लिए कुछ मांगा है।

बाबा साहेब डॉ अंबेडकर संविधान के मुख्य शिल्पकारः अध्यक्ष

फरीदाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर सदी के महान जननायक थे, उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर मानवता और मानवीय सिद्धांतों की ओर अग्रसर हो रहा है क्योंकि बाबा साहब ने संविधान बनाकर उन सभी वंचित समाज के लोगों को पूरा अधिकार दिया। आज चाहे महिला हो गरीब हो अल्पसंख्यक हो किसान हो मजदूर हो सभी के हक संविधान में सुरक्षित हैं।

न्यूरोसर्जिकल इलाज को आसान बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग

चेयरमेन डॉ. दिनेश अरोड़ा ने कहा कि हम लगातार कोशिश करते हैं कि मरीज़ों को दूर न जाना पड़े और सस्ती, विश्वस्तरीय देखभाल और इलाज के ऑप्शन मिलें

यशोदा हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने एपिलेप्सी से पीड़ित बच्ची पर सफल वीएनएस सर्जरी की

एजेंसी ▶▶ फरीदाबाद

यशोदा अस्पताल के चिकित्सकों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहली बार मिनिमली इनवेसिव वेगस नर्व स्टिमुलेशन सर्जरी की। यह सफल प्रोसीजर रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी से पीड़ित एक बच्ची पर किया गया, जिससे इस क्षेत्र की न्यूरोसर्जिकल क्षमताओं में एक बड़ी तरक्की हुई है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि बच्ची पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) देश की नागरिक है। यह दुर्लभ और विशेष प्रक्रिया यशोदा की विशेषज्ञ न्यूरोसर्जरी टीम ने की, जिसका नेतृत्व डॉ. पुनीत मलिक (वरिष्ठ सलाहकार, न्यूरोसर्जरी) ने किया, जिसमें डॉ. (प्रो.) ब्रिगेडियर यादवेंद्र सिंह सिरोही (वरिष्ठ सलाहकार, न्यूरोलॉजी), एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ. विकास चोपड़ा और बाल रोग और नियोनैटोलॉजी इकाई के प्रमुख डॉ. (मेजर) सचिन कुमार दुबे शामिल थे। सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई मरीज़ स्टेबल है और अच्छी तरह से ठीक हो रही है। एक प्रेस कांफ्रेंस में चिकित्सकों ने बताया कि मिर्गी के लिए पारंपरिक ब्रेन सर्जरी के विपरीत, वेगस नर्व स्टिमुलेशन में मस्तिष्क में कोई दखल नहीं होता है। इसके बजाय, गर्दन में एक छोटा डिवाइस लगाया जाता है, जो वेगस नर्व को हल्के, कंट्रोल्ड इलेक्ट्रिकल इम्पल्स भेजता है। ये इम्पल्स दिमाग में असामान्य इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी को रेगुलेट करने में मदद करते हैं, जिससे दौरे आने की फ्रीक्वेंसी और गंभीरता कम हो जाती है। ये मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर न्यूनतम रक्त हानि और मरीज़ की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए किया जाता है। यशोदा ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. दिनेश अरोड़ा ने कहा, यशोदा ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स में, हम लगातार कोशिश करते हैं कि मरीज़ों को दूर न जाना पड़े और उन्हें लोकल लेवल पर ही सस्ती, विश्व-स्तरीय देखभाल और इलाज के ऑप्शन मिलें। यह कामयाबी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एडवांस्ड न्यूरोसर्जिकल इलाज को आसान बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

पीएचडी शोधार्थियों फेलोशिप देगी अमृता विश्व विद्यापीठम

गुरुग्राम। अमृता विश्व विद्यापीठम ने दिसंबर-2025 बैच के लिए पीएचडी प्रवेश (फेज-2) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर है। विवि की ओर से पीएचडी शोधार्थियों को रुपए 30,000 से 40,000 प्रतिमाह तक फेलोशिप दी जाएगी। शोध पत्र प्रकाशित करने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने, ट्यूशन फीस में राहत और उन्नत प्रयोगशालाओं व शोध सुविधाओं का लाभ भी उपलब्ध होगा। पीएचडी प्रोग्राम इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटिंग, फिजिकल साइंसेज, लाइफ साइंसेज, साइंसेज, सोशल साइंसेज, ह्यूमैनिटीज, कॉमर्स, एग्रीकल्चर, आर्किटेक्चर मैनेजमेंट सहित कई विषयों में उपलब्ध हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2)(ii) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पुष्पा पत्नी कवरजीत, मकान नं. जे3/73, शिव विहार, करावा, दिल्ली** ने केस एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **457/18 अंतर्गत धारा 498ए/406/34 आईपीसी, थाना कंझावला, जिला रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पुष्पा** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पुष्पा** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **457/18 अंतर्गत धारा 498ए/406/34 आईपीसी, थाना कंझावला, जिला रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पुष्पा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.01.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या शर्मा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
(महिला कोर्ट) (उत्तर-पश्चिम)
कमरा नं. 106, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/16047/RD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राजपाल,** निवासी- मकान संख्या 57ए नगली राजापुर सराय काले खां ने **सीआर केसेस 566/22 धारा 156(3) सीटी.पीसी, थाना सनलाइट कॉलोनी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजपाल** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राजपाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राजपाल, सीआर केसेस 566/22 धारा 156(3) सीटी.पीसी, थाना सनलाइट कॉलोनी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **सुबह ठीक 10:00 बजे** दिनांक **07.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री अदिति राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07
दक्षिण पूर्व ज़िला, कमरा नंबर 508
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/16404/SE/2025

खबर संक्षेप

एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए सीएम सोरेन

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। वह ईडी से मिले

समन का कथित तौर पर पालन न करने से जुड़े मामले में पेश हुए। एक वकील ने बताया कि अदालत में सीएम सोरेन ने 7,000 रुपए के दो बेल बॉन्ड भी भरे। मामले में अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। ईडी की ओर से सोरेन को जारी किए गए कई नोटिस के बावजूद उपस्थित न होने पर अदालत का रुख किया था।

जेडीयू के प्रखंड अध्यक्ष पर सरेआम फायरिंग

भोजपुर। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज टोला में शनिवार की दोपहर में बाइक सवार

अपराधियों ने जदयू के बिहिया प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुशवाहा पर अंधाधुंध फायरिंग की और भाग गए। एक गोली पैंट को छेदती निकल गई, जिससे पैर जल गया है। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है।सूचना मिलने पर जगदीशपुर पुलिस ने मौके पर पहुंच दो खोखा बरामद किया ।

महिला सिपाही ने की आत्महत्या

अलीगढ़। आगरा की महिला सिपाही हेमलता की अलीगढ़ में खुदकुशी करने के मामले में एक

दरोगा व एक सिपाही पर भाई ने मुकदमा दर्ज कराया है। दरोगा वर्तमान में कासगंज में तैनात है और सिपाही अलीगढ़ के रोरावर थाने में कार्यरत है। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए मृतका सिपाही हेमलता के भाई ने बताया कि उसकी बहन ने अपनी जान क्यों दी।

केशव मौर्य का विवादास्पद बयान

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर ढांचा बनाया गया तो उसे भी अयोध्या की तरह ढहा दिया जाएगा

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विवादास्पद बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर कोई ढांचा बनाया गया, तो उसे अयोध्या की तरह ढहा दिया जाएगा। मौर्य ने भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पार्टी किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी।

एजेंसी ▶▶ मीरजापुर

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को अष्टभुजा डाक बंगले में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प अवश्य पूरा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर कोई ढांचा बनाया गया, तो उसे भी अयोध्या की तरह ढहा दिया जाएगा।

इस दौरान, उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी का विधि विधान से दर्शन पूजन भी किया। मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और सभी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए उठाए जा रहे कई कदम

उन्होंने यह भी बताया कि एसआइआर अभियान के तहत मतदाता जागरूकता और चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धांधली न हो। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य है कि हर मतदाता को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाया जाए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और समाज के हर वर्ग को जोड़ें। इस प्रकार, मीरजापुर में एसआइआर अभियान के माध्यम से भाजपा ने चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने का संकल्प लिया है।

माफियाओं को सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी चेतावनी

अवैध निर्माणों व माफिया कारोबार के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई यूपी में यथावत जारी रहेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा राज्य अब 'एक जिला, एक माफिया' वाला राज्य नहीं रहा, बल्कि यह एक जिला, एक उत्पाद और एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज वाला राज्य बन गया है

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर ऐक्शन को लेकर अपनी नीति पर खुलकर बात रखी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध निर्माणों और माफिया कारोबार के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई यूपी में तब तक जारी रहेगी, जब तक कानून-व्यवस्था मजबूत न हो जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा राज्य अब 'एक जिला, एक माफिया' वाला राज्य नहीं रहा, बल्कि यह एक जिला, एक उत्पाद और एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज वाला राज्य बन गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, बुलडोजर एक्शन उत्तर प्रदेश की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के नौजवानों के लिए, उत्तर प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा के लिए, उनके स्वावलंबन के लिए, उत्तर प्रदेश के अन्नदाता किसानों की खुशहाली के लिए और उत्तर प्रदेश के नागरिकों की पहचान को बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, जो भी महत्वपूर्ण सुधार होंगे और जो भी सख्त कदम होंगे, उनको उठाने में कोई संकोच नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जीरो-टॉलरेंस की नीति के तहत आगे बढ़ती रहेगी।

खास बातें

- विरासत पर किसी भी समाज को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए
- प्राण प्रतिष्ठा के बाद 24 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या आ चुके हैं

राम मंदिर को बताया सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपलब्धियों की सूची बहुत लंबी है, इसलिए एक को चुनना मुश्किल है। लेकिन उन्होंने अयोध्या में 500 साल बाद राम मंदिर निर्माण को अपने जीवन का सबसे ऐतिहासिक क्षण बताया। योगी ने कहा- जब कार्यकाल लंबा होता है तो उपलब्धियों की सूची भी लंबी होती है। एक चीज़ चुनना चुनौती है, लेकिन 500 वर्षों के बाद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण मेरे करियर का एक प्रतिष्ठित क्षण था।

सीएम बोले- हम हर जगह पहुंचेंगे

योगी ने काशी और मथुरा जैसे विवादित धार्मिक स्थलों पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या सरकार अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा को लेकर भी कदम बढ़ा रही है, तो उन्होंने कहा- सब जगह पहुंचेंगे और पहुंच चुके हैं। यह टिप्पणी उस लोकप्रिय नारे के संदर्भ में आई, जिसमें कहा जाता है- अयोध्या तो बस झांकी है, काशी-मथुरा अभी बाकी है।

नीतीश को संजय झा ने दिलाई सदस्यता

चुनाव में जीत से उत्साहित जदयू बनाएगा एक करोड़ नए सदस्य

एजेंसी ▶▶ पटना

सत्र 2025-28 के लिए जनता दल यूनाइटेड के सदस्यता अभियान की शुरुआत शनिवार को हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में पार्टी के प्रमुख नेताओं ने दल की सदस्यता ग्रहण की। नीतीश कुमार को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने सदस्यता दिलाई तो संजय झा को नीतीश कुमार ने अपने हाथों से सदस्य बनाया। नीतीश कुमार ने प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, केसी त्यागी, विजय चौधरी, श्रवण कुमार समेत कई बड़े नेताओं को अपने हाथ से सदस्यता दिलाई।

जदयू कार्यालय में सदस्यता अभियान समारोह

पार्टी इस बार एक करोड़ से अधिक सदस्य बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। पटना स्थित जदयू कार्यालय में सदस्यता अभियान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 2025 विधानसभा चुनाव में पार्टी की प्रचंड जीत के लिए का करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

प्रदेश के गांव-गांव तक चलेगा यह अभियान

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि जेडीयू ने अपने सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम नीतीश कुमार की मौजूदगी में सदस्यता अभियान शुरू हुआ। यह प्रदेश के गांव-गांव तक चलेगा।

पेज एक का शेष

यूं अलग था 8वां...

तकनीक-वित्त, रचनात्मकता और सकारात्मकता जैसे विषयों पर देश की जानी-मानी हस्तियों ने छात्रों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा कर उन्हें प्रेरित किया था।

बेलगाम किराए...

किराया वापसी की प्रक्रिया रविवार रात 8 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। जारी निर्देश में कहा गया है, 'एयरलाइंस को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उन यात्रियों से कोई रीशेड्यूलिंग शुल्क न वसूलें जिनकी यात्रा पर रद्दीकरण का असर पड़ा है।

यात्रियों के सामान को घर पहुंचाने के दिए निर्देश: इसके अलावा, एयरलाइन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन यात्रियों का ट्रैवल प्लान रद्द या प्रभावित हुआ है, उनसे कोई रिशेड्यूलिंग चार्जेस न लिए जाएं। मंत्रालय ने साफ किया कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी या नियमों का पालन न करने पर तुरंत नियामक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों के छूटे हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाया जाए।

इंडिगो का बयान: इंडिगो के परिचालन में आ रही समस्याओं पर एयरलाइन की ओर से शनिवार को बयान जारी किया गया। इस बयान में इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इंडिगो ने कहा, 'हमारी टीमें शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और इस दौरान ग्राहकों की मदद करने पर केंद्रित हैं। शनिवार को रद्दीकरण की संख्या 850 उड़ानों से नीचे आ गई है, जो कल की तुलना में काफी कम है। हम अगले कुछ दिनों में इस संख्या को धीरे-धीरे कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।'

किराए की लूट... दिल्ली-हैदराबाद रूट ...पर 50 हजार के पार पहुंचा हवाई किराया: देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो पांच दिनों से परिचालन संकट से जूझ रही है। इसके चलते देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हंगामे की स्थिति है और लाखों लोग परेशान हैं। लोग कई घंटों से हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। ऐसे हालात में भी देश की विमानन कंपनियां बेशर्मी से लोगों से किराए की लूट करने में जुटी हैं और औसत किराए की तुलना में कई गुना ज्यादा किराया वसूल रही हैं। दिल्ली से हैदराबाद के बीच का हवाई किराया शनिवार को कई फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 36 हजार से ज्यादा पहुंच गया है।

चार दिनों के बाद टूटी सरकार की नींद: बीते पांच दिनों में इंडिगो की 2500 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। इसके चलते उपलब्ध सीटों की संख्या घट गई। विमानन कंपनियों ने इस आपदा में अवसर देखा और हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी। ऐसी स्थिति में हवाई यात्री खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। हैरानी की बात ये है कि बीते चार दिनों से सरकार ने भी इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन आज शनिवार को सरकार की नींद टूटी। अब सरकार ने एयरलाइंस को निर्देश जारी कर ज्यादा किराया वसूलने पर कार्रवाई की बात कही है।

पांचवें दिन कहां...

देशभर में 1000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। कई दिनों की चुप्पी के बाद शुक्रवार को इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने एक वीडियो साझा कर लोगों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी।

विधायक हुमांयू...

संख्या में लोग मौजूद थे। बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद के शिलान्यास समारोह को देखते हुए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियां तैनात की गईं। हुमांयू कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ही टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पार्टी ने इसे सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ा मामला बताया था। कबीर ने इस महीने की शुरुआत में स्थापना समारोह का ऐलान किया था, जिससे राजनीतिक आलोचना शुरू हो गई थी और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी।

बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ: आधारशिला रखने के समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है। हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है। कबीर ने दावा किया कि 2026 के चुनावों में 90 विधानसभा क्षेत्रों से मुस्लिम उम्मीदवार विजयी होंगे।

संविधान की प्रस्तावना...

कि उस समय विपक्ष के सभी बड़े नेता जेल में थे और संसद में कोई खुली बहस नहीं हुई। सिंह का कहना है कि प्रस्तावना में ये शब्द जोड़ने का निर्णय मजबूरी और तत्कालीन राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया गया था। डॉ. बीआर आंबेडकर के हवाले से सिंह ने कहा कि संविधान की संरचना ही देश को धर्मनिरपेक्ष बनाती है, इसलिए अलग से 'सेक्युलर' शब्द जोड़ना जरूरी नहीं था। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों पर किसी एक आर्थिक या राजनीतिक विचारधारा को थोपना सही नहीं होगा, इसलिए 'सोशलिस्ट' शब्द भी आवश्यक नहीं था।

विपक्ष की प्रतिक्रिया और सांसद का जवाब: उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे संविधान पर हमला बताएगा, लेकिन यह कदम संविधान को उसके असली रूप में वापस लाने का प्रयास है। सिंह ने सवाल उठाया कि क्या 1976 से पहले भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं था? क्या नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री या खुद इंदिरा गांधी की सरकार सांप्रदायिक थी?

भारत-अमेरिका राजी...

बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी किए गए एक साझा बयान से मिली है। जिसमें ये बताया गया कि बैठक में भारत की ओर से मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद से मुकाबले के मामले से जुड़े हुए) डॉ.विनोद बहादे और अमेरिका से उनके विदेश मंत्रालय की अधिकारी मोनिका जेकॉबसेन ने भाग लिया।

यूएन, क्वाड, एफएटीएफ में बढ़ेगा सहयोग: आतंकवाद के खिलाफ जहां एक ओर भारत और अमेरिका लगातार सतत और व्यापक रूप से कदम उठाने के पक्ष में हैं। वहीं दोनों ने बहुपक्षीय मंचों जैसे यूएन, क्वाड और एफएटीएफ में इस संदर्भ में सहयोग को मजबूत बनाए रखने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। दोनों देशों ने बैठक में ये आह्वान भी किया कि आईएसआईएस, अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों व उनके छद्म संगठनों पर अतिरिक्त पाबंदियां लगाई जानी चाहिए। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद के छद्म संगठन, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले इनके समर्थकों, प्रायोजकों और वित्तीय मददगार भी इसमें शामिल हैं। यूएन की मामले पर गठित की गई 1267 समिति के तहत वैश्विक आतंकी संगठनों और प्रमुख आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी अंतरराष्ट्रीय संपत्ति को जब्त करने, यात्रा और हथियारों पर रोक लगाने का काम किया जाता है। दोनों देशों ने माना कि आतंकवाद से मुकाबले के विषय पर भारत और अमेरिका के बीच सामंजस्य बढ़ रहा है। भारत ने अमेरिका द्वारा बीते वक्त में लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के छद्म आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने के लिए धन्यवाद दिया। समूह की अगली बैठक दोनों पक्षों की आम सहमति से तय की गई अगली तारीख पर अमेरिका में होगी।

सूचनाएं साझा करेंगे...

और उभरते हुए खतरों-चुनौतियों के विषय की बैठक में समीक्षा की गई। साथ ही इन चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए सहयोग बढ़ाने से जुड़े हुए उपायों पर भी दोनों पक्षों ने इस संवाद के दौरान खासा जोर दिया है। प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, अच्छी आदतों का आदान-प्रदान के अलावा नियमित रूप से द्विपक्षीय व बहुपक्षीय रूप से सूचनाओं को साझा करने पर भी भारत और अमेरिका राजी हैं।

हरियाणा के सभी ...

कहा कि डिस्कॉम ने 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' नाम से एक नई स्कीम भी तैयार की है, जो मुख्यतः राज्य सरकार के कर्मचारियों और नियमित रूप से बिजली बिल जमा करवाने वाले उपभोक्ताओं के लिए है। योजना को राज्य सरकार के अनुमोदन हेतु भेजा गया है और वर्तमान में विचाराधीन है। इसके लागू होने पर, राज्य में रूफटॉप सोलर को लगवाने का कार्य तेजी से बढ़ेगा और निर्धारित आरटीसी लक्ष्यों को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी।

बैठक में विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में अगले 7 वर्षों में 24,000 मेगावाट बिजली उपलब्धता सुनिश्चित कर 100 प्रतिशत उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री को बताया गया कि यमुनानगर में 800 मेगावाट अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल यूनिट का कार्य बीएचईएल के सहयोग से शुरू हो गया है। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, एचपीजीसीएल के एमडी डॉ. साकेत कुमार, यूएचबीवीएन के एमडी श्री मनीराम शर्मा तथा ऊर्जा विभाग एवं डिस्कॉम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवार जैसा स्नेह ...

गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पुण्यात्मा को नमन करते हुए उन्हे पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष अग्रवाल भी लंबे समय तक मौजूद रहे। ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा एवं गंगा प्रसादी के साथ ब्रह्मणों को भोजन कराया गया और परंपरानुसार हवन पूजन किया गया। इस दौरान देर रात तक शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधि एवं समाज सेवियों का देर रात तक तांता लगा रहा।

धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से झटका

शूटआउट के गैंगस्टर मामले में पूर्व सांसद की अपील खारिज

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट से जौनपुर के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह को झटका लगा है। 23 साल पहले वाराणसी के नदेसर इलाके में हुए शूटआउट मामले में आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। शूटआउट में धनंजय सिंह, उनके गनर और ड्राइवर घायल हो गए थे। इस मामले में इन्होंने पांच लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को बरी कर दिया था। इस आदेश को पूर्व सांसद ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने याचिका को पोषणीय नहीं बना। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध केवल राज्य और समाज के खिलाफ होता है, व्यक्तिगत नहीं

माना जाता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल राज्य के पास असामाजिक गतिविधियों को रोकने और निवारक कदम उठाने का अधिकार है, किसी व्यक्ति को नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूर्व सांसद धनंजय सिंह को एक बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 2002 के जानलेवा हमले से जुड़े गैंगस्टर एक्ट मामले में आरोपियों को ट्रायल कोर्ट द्वारा बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को सही नहीं मानते हुए खारिज कर दिया है।

देवरिया में पूर्व विधायक समेत 6 पर एफआईआर

महिला के घर में घुसकर छेड़खानी और हत्या के प्रयास का आरोप

एजेंसी ▶▶ देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में पुलिस ने एक महिला के घर में घुसकर छेड़खानी, अभद्रता और हत्या के प्रयास के आरोप में बरहज के पूर्व विधायक सुरेश तिवारी समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया कि तीन दिसंबर की शाम लगभग पांच बजे राकेश कोहार, अमिता और अनुष्का कोहार, उषा मल्ल, प्रेमलता समेत कई लोग उसके घर में जबरन घुस आए। सभी ने मिलकर मारपीट की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। तहरीर में पीड़िता ने कहा कि राकेश कोहार ने उसकी इज्जत पर हाथ डाला और कपड़ा फाड़ दिया। इसी दौरान उसके पांच

वर्षीय बेटे का गला दबाकर मारने की कोशिश भी की गई। पीड़िता ने बताया कि झगड़े का वीडियो उसके पास मौजूद है। उसने आरोप लगाया कि यह हमला पूर्व विधायक सुरेश तिवारी के कहने पर किया गया।

हालांकि अभी तक पूर्व विधायक सुरेश तिवारी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस संबंध में कोतवाली थाना रुद्रपुर के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) कल्याण सिंह सागर ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

आईआईसीएफ ट्रस्ट के प्रमुख ने दी जानकारी

अयोध्या में राम मंदिर के बाद होगा नई मस्जिद का निर्माण! इस महीने से शुरू हो सकता है काम, समय सीमा अप्रैल 26

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद अब नई मस्जिद का निर्माण होगा। इसको लेकर तैयारी शुरू हो गई। बाबरी मस्जिद के विध्वंस के 33 साल बाद, धन्नीपुर गांव में नई मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। इस परियोजना का काम देख रहे ट्रस्ट के प्रमुख ने यह जानकारी दी।

इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने कहा, यदि सब कुछ ठीक रहा और अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को मंजूरी दे देता है, तो मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को हम दिसंबर के अंत तक जमा करने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, मस्जिद परियोजना के आसपास के विवादों और आरोप-प्रत्यारोप के बावजूद, पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मूल मस्जिद परियोजना के बारे में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यूपी सरकार ने दी थी जमीन

पांच साल से अधिक समय पहले उच्चतम न्यायालय के आदेश पर यूपी सरकार ने मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की थी। फारूकी ने कहा कि मस्जिद का पहला ले आउट प्लान अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा खारिज कर दिया गया था, लेकिन इससे पहले ही आईआईसीएफ ने समुदाय के विरोध के कारण इसे छोड़ने का फैसला किया था और एक अधिक पारंपरिक डिजाइन को अपनाने का फैसला किया था। एडीए की मंजूरी मस्जिद निर्माण के लिए पहला महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन आईआईसीएफ के सामने अन्य ज्वलंत मुद्दे भी हैं, जिनमें धन्नीपुर स्थल पर पर्याप्त जमीन की कमी भी शामिल है। फारूकी ने कहा, यह शुरुआती दिन हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली,रविवार 7 दिसंबर 2025

आज की हाईटेक दुनिया में मानवाधिकार, सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं हैं। आपकी ऑनलाइन आदतों, व्यवहार और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता में भी यह प्रकट होता है। यहां बताई जा रही आदतों को अपनाने वाला कोई भी व्यक्ति न सिर्फ डिजिटल वर्ल्ड में खुद को सुरक्षित रख सकता है बल्कि दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा करने में योगदान भी कर सकता है।

डिजिटल वर्ल्ड में भी जरूरी है
मानवाधिकारों के प्रति सजगता

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-स्पीड इंटरनेट और 24X7 स्क्रीन-लाइफ के इस दौर में मानवाधिकारों की परिभाषा वह नहीं रही, जो बीसवीं सदी के मध्य या उत्तरार्द्ध में हुआ करती थी। जीवन जीने की नई चुनौतियों के बीच, जीवन के अधिकारों की जमीन भी बदल रही है। साथ ही सार्वभौम मानवाधिकारों की परिभाषा भी बहुत तेजी से बदल रही है। आज मानवाधिकारों के दायरे में सिर्फ आपकी सदेह उपस्थिति ही नहीं रही, बल्कि डिजिटल उपस्थिति, ऑनलाइन व्यवहार और टेक्नोलॉजी के प्रयोग भी आ गए हैं। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, डिजिटल जीवनशैली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बीच बड़ी हुई पीढ़ी है। इसलिए उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों का दायरा भी इन सभी आयामों से जुड़ता है। डिजिटल दुनिया की संवेदना का सम्मान किए बिना आज मानवाधिकारों की चर्चा पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि आज इंसान के जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटलाइज हो चुका है। इसलिए इस जीवन की हिफाजत, उसका सम्मान और उसकी संवेदनशीलता का ख्याल रखना भी आज का मानवाधिकार है।

महत्वपूर्ण है डिजिटल प्राइवेसी: डिजिटल स्पेस में प्राइवेसी का अर्थ सिर्फ 'सीक्रेट' रखना नहीं है बल्कि अपनी पहचान, आदतों और भावनाओं को सुरक्षित रखना भी है। हर मोबाइल एप आज आपके व्यवहार पर गहरी नजर रखता है और आपकी एक डिजिटल कुंडली बनाता है। उसे आपकी लोकेशन से लेकर आपकी हार्टबीट तक पता होती है। ऐसे में एक जागरूक युवा वही है, जो हर अनुमति को ध्यान से पढ़ता है, अपनी डिजिटल दुनिया के दरवाजों का मजबूत पासवर्ड रखता है, टू-फैक्टर सुरक्षा अपनाता है और अपनी निजी जानकारियां केवल जरूरी और सुरक्षित मंचों पर ही साझा करता है। लब्बोलुआब यह कि जो युवा अपनी प्राइवेसी की कीमत समझता है, वही दूसरों की प्राइवेसी का अर्थ भी जानता है। इसलिए मानवाधिकारों के प्रति सजग बनना है तो डिजिटल प्राइवेसी का सम्मान करना और इसे खुद भी सीखना जरूरी है।

साइबर बुलिंग का विरोध: स्मार्टफोन के दो क्लिक किसी की मानसिक शांति छीन सकते हैं। बॉडी-शेमिंग, ट्रोलिंग, मीम के नाम पर अपमान- ये सब मनोरंजन नहीं है बल्कि डिजिटल हिंसा है। एक संवेदनशील और मानवाधिकारों के लिए सजग युवा वही है, जो ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता। 'रिपोर्ट' करता है, 'ब्लॉक' करता है और पीड़ित को 'सपोर्ट' करता है। ये तीन शब्द आज की सामाजिक जिम्मेदारी हैं। किसी की मानसिक भलाई भी एक मानवाधिकार है और इस भलाई को करना हर युवा के डिजिटल नागरिक होने का कर्तव्य भी है। इसलिए मानवाधिकारों का चैंपियन बनने के लिए इन सब हरकतों को लेकर चुप नहीं रहना चाहिए।

ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा का अधिकार

यूपीआई, वॉलेट पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधा बढ़ाई है, लेकिन जोखिम भी बढ़ाया है। डिजिटल धोखाधड़ी सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक क्षति भी है। इस मामले में आप अपने मानवाधिकारों को तभी तक सुरक्षित रख सकते हैं, जब तक अजनबियों को ओटीपी, पिन, पासवर्ड नहीं बताते, संदिग्ध लिंक नहीं खोलते, क्यूआर कोड बिना सोचे नहीं स्कैन करते। वित्तीय सुरक्षा, आधुनिक मानवाधिकारों में सीधे इस सोच से जुड़ी है कि आर्थिक स्वाभिमान भी एक अधिकार है।

कुछ भी शेयर करने से पहले: किसी की फोटो, चैट, स्क्रीनशॉट या किसी की वीडियो को फटाफट पब्लिक फ्रंट पर साझा करने से पहले न केवल कई बार सोचें बल्कि जिनसे सीधे उसका रिश्ता है, अनिवार्य रूप से उसकी सहमति भी लें। अगर सहमति मिलती है, तभी सार्वजनिक दुनिया में प्राइवेसी के इन खास पलों को साझा करें। अगर ऐसा नहीं करते तो इससे साबित होगा कि आप डिजिटल दुनिया में न तो सामान्य शिष्टाचार का पालन करते हैं और न ही लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। क्योंकि जो खिलवाड़ आप हंसी खेल में कर देंगे, वो किसी के लिए अभिशाप भी बन सकता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए 'कंसेंट कल्चर' सिर्फ भौतिक रिश्तों में ही नहीं बल्कि डिजिटल स्पेस में भी जरूरी है। दूसरों की अनुमति का सम्मान करना डिजिटल नैतिकता का आधार है।

फेक न्यूज-हेट स्पीच से दूरी: डिजिटल वर्ल्ड में मानवाधिकारों के प्रति अगर आप सजग हैं तो न सिर्फ फेक न्यूज और हेट स्पीच से दूर रहना जरूरी है बल्कि उन्हें हर संभव तरीके से रोकना भी जरूरी है। एक जागरूक डिजिटल यूजर को इसे भी अपनी 'नेट नागरिकता' की जिम्मेदारी और मानवाधिकार मानना चाहिए, क्योंकि भ्रामक खबरें अब खतरनाक हथियार बन चुकी हैं। एक एडिटेड वीडियो, एक गलत जानकारी पूरे समुदाय को तनाव में ला सकता है, अराजकता फैला सकता है। अतः जिम्मेदार और डिजिटल युग में मानवाधिकार के प्रति सजग वही है, जो किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचे। याद रखिए हेट स्पीच 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' नहीं है बल्कि यह स्वतंत्रता के नाम पर दूसरे के अधिकारों पर आक्रमण है। इसे रोकना डिजिटल समाज को सुरक्षित बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

डेटा उपयोग को जानने का अधिकार: आज आपके सोशल मीडिया फीड में क्या दिखेगा, यह आपकी पसंद से ज्यादा एल्गोरिद्म तय करता है। एआई आपकी आदतों का विश्लेषण करता है और आपके निर्णयों को प्रभावित करता है। हर डिजिटल सजग युवा को यह जानने का अधिकार है कि उसका डेटा कैसे उपयोग हो रहा है? इसके प्रति सजग और संवदनेशील बने रहना जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य का मानवाधिकार: डूम-स्क्रॉलिंग, लाइक्स पर निर्भरता, दूसरों की तुलना में आत्म-मूल्य घटाना, ये नई डिजिटल बीमारियां हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी मानवाधिकार है और उसकी रक्षा आपको स्वयं करनी होती है। स्क्रीन टाइम सीमित करना, डिजिटल डिटॉक्स, सकारात्मक सामग्री चुनना और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना, आपको मजबूत और संतुलित बनाता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने अधिकारों के लिए सजग रह सकता है।

डिजिटल फुट प्रिंट की समझ: इस बात को याद रखिए कि इंटरनेट कुछ भूलता नहीं। सोशल मीडिया पर डाला गया हर शब्द, हमेशा के लिए दर्ज हो जाता है। अपने या अपने दोस्त के प्रति एक लापरवाही, करियर, रिश्तों या छवि पर भारी पड़ सकती है। इसलिए हर पोस्ट से पहले सोचना जरूरी है कि क्या ये भविष्य में मुझे या मेरे जैसे किसी और को चोट तो नहीं पहुंचाएगी? डिजिटल फुट प्रिंट का ध्यान रखना एक समझदार, संवेदनशील और भविष्य-दृष्टि वाला डिजिटल सिटिजन बनने का सबसे आसान तरीका है।

स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार: सभ्य संवाद ही आधुनिक अधिकार संस्कृति है। ऑनलाइन बोलने का साहस अच्छा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, तर्क और शिष्टता भी होनी चाहिए। मतभेद स्वाभाविक हैं पर अपमानजनक भाषा मानवाधिकार मूल्यों को तोड़ती है। एक परिपक्व व्यक्ति वही है, जो अपनी राय साफ रखता है, लेकिन किसी की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाता। *

स्वास्थ्य मात्र सुविधा ही नहीं
हम सभी का है अधिकार

कोई भी देश-समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, खुश नहीं रह सकता, जब तक वहां के लोग स्वस्थ नहीं रहते। इसीलिए लोगों और सरकारों को इस दिशा में अवेयर करने के लिए ही 12 दिसंबर को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे मनाया जाता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

हर साल 12 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक, किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य- ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं।

यह दिन मनाने का मकसद: इस दिन का वास्तव में असली मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें, क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर की सरकारों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों को यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा।

ऐसे हुई इस दिन की शुरुआत: जहां तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे की शुरुआत और इसके मनाए जाने की वजह का सवाल है तो संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता इस विशेष दिन के लिए 2017 में मिली। जब दिसंबर 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे) घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि ये 2017 में संभव हुआ, लेकिन इसकी जड़ें 2012 से जुड़ी हैं, जब इसी 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। इस दिन को ही बाद में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में चुना गया।

कई तरह के होते हैं आयोजन: जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाए जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग-अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे हैश टैग के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किए जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान चलाए जाते हैं।

स्कूल कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं तथा मीडिया कवरेज भी इस अवसर को खास तव्वजो देती है। विभिन्न टीवी चैनल और पत्रिकाएं इस दिन के लिए विशेष कार्यक्रम बनाते हैं।

कोविड काल से बढ़ी महत्ता: साल 2019-20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन के लिए दुनिया भर में सजगता बढ़ी है, क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिम भरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं, जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है।

सामाजिक जिम्मेदारी है अच्छी हेल्थ: आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा और डर महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग ही महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। *

नवगीत
घमंडीलाल अग्रवाल

सुख हो गया लघुकथा जैसा

सुख हो गया लघुकथा जैसा
उपन्यास-सा दुख!
पसर गईं हैं मन में आकर
ऐसे इच्छाएं,
वर्षा के मौसम में नभ पर
जैसे घन छाएं।
पढ़े न कोई उर की पोथी
देखें सब आमुख।
भौतिकता की चकाचौंध ने
हमको भरमाया,
आमदनी आठ आने, खर्चा
है रुपया पाया।
उलझन ने खोले सुरसा-से
बड़े-बड़े अब मुख।
माया के चक्कर में काया
हुई सूख कांटा,
परेशानियां सांझ-सकारे
मार रहीं चांटा।
फिर भी खाई में गिरने का
अपनाया है रुख।
हवा भरे गुब्बारों जैसे
लोग नजर आते,
घड़ी दो घड़ी साथ निभाकर
पिचक बाद जाते।
बांह न कोई गहे उम्र भर
कब बैठे सम्मुख।

लघुकथाएं

दीवारें भी कुछ कहती हैं

बाबूजी ने अपने पुराने घर का रेनोवेशन करवाया था। पूरा घर चमकने लगा था। दरवाजों पर सुंदर कलर के पेंट, दीवारों पर नई डिजाइन की कलाकारी, नया पेंट, पुट्टी सब कुछ बहुत सुंदर दिख रहा था। यह सब देखकर ससुराल से आई बेटी रानू बहुत खुश हो रही थी। वो घर के अंदर गई तो देखकर दंग रह गई। मुख्य द्वार पर पीले, लाल हाथों के निशान ज्यों के त्यों थे। बैठक में दीवारों पर रंग-बिरंगी आड़ी-तिरछी रेखाएं मुंह चिढ़ा रही थीं। और तो और जीने की दीवारों पर तेल भरे हाथों के धब्बे दिखाई दे रहे थे। इन सभी जगहों को छोड़कर बाकी दीवारों पर लिपाई-पुताई कर दी गई थी। यह सब देखकर हैरान-सी रानू ने अपने पिता से पूछा, 'बाबूजी, यह सब क्या है? आपने इन दीवारों पर इन गंदे दाग-धब्बों पर पेंट क्यों नहीं करवाया? ऐसे इन्हें क्यों छोड़ दिया? देखो ये कितने बदरंग दिख रहे हैं।'

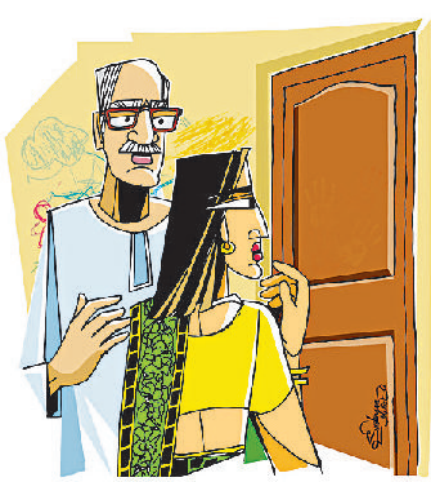

बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले, 'बेटा, यह बदरंग धब्बे-दाग नहीं, यह रिश्तों के प्रेम के खुशरंग निशानी हैं। ये देखो, यह लाल, पीले हाथों के छाप। यह तेरी बुआ के हाथों के छाप हैं, जब वह ससुराल गई थी। ये लाल निशान तेरे हाथों के हैं, जब तू ससुराल गई थी। ये आड़ी-तिरछी रेखाएं तुम सब नन्हे-मुन्ने बच्चों की हैं, जब तुम शरारत करते थे। यह जीने पर तेल के दाग तुम्हारे पूज्य दादा जी के हैं, जब-तब वे जीने पर इन दीवारों के सहारा लेकर चढ़ते थे। आज वे नहीं रहे, पर ये निशानियां हैं, जो मुझे हमारे पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। ये दीवारें भी कुछ कहती हैं हमसे, तुम भी सुनो।' बाबूजी की बात सुनकर रानू पुरानी यादों में खो गई। *

– शैल चंद्रा

सीमा

आज डमरू अपनी बिटिया विनी को बाजार में ड्रेस दिलाने लाया था। एक फ्रॉक की दुकान पर दोनों रुक गए।

'पापा..पापा.. ये फ्रॉक ले लो ना.. ये वाली..।' विनी ने मचलते हुए एक फ्रॉक की तरफ इशारा किया। डमरू का दिल धक-धक करने लगा। स्लेटी रंग की वह फ्रॉक सिल्क की थी। उसने सोचा काफी महंगी होगी। डमरू को समझ नहीं आ रहा था, छह साल की बेटी को कैसे बहलाए।

गर्दन घुमाते हुए डमरू को एक रंगीन लेकिन सस्ती सी फ्रॉक दिखाई दी। वह बोला, 'आहा! यह देखो विनी, इसमें झालर है, घुंघरू भी लगे हैं, इसे ले लो बेटा।'

रंग की चकाचौंध में विनी बहल गई। उसने वही फ्रॉक ले ली। सूती कपड़े की रंगीन फ्रॉक पहनकर अगले दिन विनी स्कूल गई। वहां स्कूल फंक्शन में विनी ने कविता प्रतियोगिता में प्यारी सी एक कविता सुनाई। उसे प्रथम पुरस्कार मिला। विनी की खुशी दोगुनी हो गई।

घर आकर चहकते हुए उसने बताया, 'पापा, इसी प्यारी फ्रॉक की वजह से मिल गया पहला ईनाम।' विनी खुशी से अपनी ट्रॉफी चूम रही थी। डमरू को पिछले साल का वह वाकया याद आया, जब एक मिठाई की दुकान पर काजू कतली को देखकर विनी मचल गई थी, उसे यह मिठाई खानी है। डमरू ने दूसरी तरफ उसे बहलाते हुए रंगीन पेठा दिखाया। मासूम विनी वही रंगीन रसीला पेठा खाकर खुश हो गई थी। कल भी डमरू ने वही किया। विनी तो छोटी बच्ची है, अबोध। लेकिन डमरू मजबूर है, उसे अपनी सीमा का आभास है, वह अपनी चादर से बाहर पैर नहीं फैला सकता। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की बस्ती

हाल में वरिष्ठ कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह द्वारा लिखे गए संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' छपकर आई है। इसमें कुल सोलह संस्मरण संकलित हैं। इनमें त्रिलोचन और अमरकांत पर दो-दो संस्मरण हैं और एक संस्मरण इलाहाबाद में लेखक के द्वारा बिताए गए दिनों पर आधारित है।

'चिड़ियों के घर का वासी' संस्मरण हजारी प्रसाद द्विवेदी पर लिखा गया है। इसमें लेखक ऐसी छोटी-छोटी कई बातें बताते हैं, जिनसे द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता में निहित विराटता प्रकट होती है। 'बरगद जैसे छायादार थे अमृतलाल नागर' संस्मरण में लेखक ने नागर जी से मिली आत्मीयता का मार्मिकता से वर्णन किया है। अमरकांत पर इस पुस्तक में दो संस्मरण संकलित हैं- 'अशोक वृक्ष की छाया में' और 'अमरकांतः प्रफुल्लता की प्रतिमूर्ति।' त्रिलोचन पर भी पुस्तक में दो संस्मरण 'नाम सार्थक लगे त्रिलोचन' और 'एक विरोधाभास त्रिलोचन' संकलित हैं। काशीनाथ सिंह, हरिशंकर परसाई और बाबा नागार्जुन से जुड़े संस्मरणों में उनके कई अनछुए पहलू उजागर हुए हैं। पुस्तक के अंतिम संस्मरण 'इलाहाबाद के वे दिन' में अब्दुल बिस्मिल्लाह लिखते हैं, 'इलाहाबाद के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण, वहां की गतिविधियों, रचनाकारों के जमावड़ों, भांति-भांति के व्यक्तियों और समग्रता में उस शहर के जीवन प्रवाह ने न केवल मेरी जीवनी शक्ति को दृढ़ता प्रदान की, बल्कि मेरी रचनाशीलता को भी धार दी।' बिस्मिल्लाह जी ने जिन हस्तियों पर संस्मरण लिखे हैं, उनके साथ उनके शहर का जीवन स्पंदन और जीवनशैली का सोंधापन भी महसूस कराते चलते हैं। *

पुस्तक: स्मृतियों की बस्ती, **लेखक:** अब्दुल बिस्मिल्लाह, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी

स्मृति शेष

प्रार्थना सभा व गंगा प्रसादी आयोजन

भावपूर्ण अश्रुओं और जीवन दर्शन के 'भजनों से स्मृतियां' संजोई

एक भावपूर्ण दिन.... स्वर्गीय पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का त्रयोदशी संस्कार, प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी का आयोजन ग्वालियर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के भवन में सुबह 11:30 बजे से रखा गया था। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी गणमान्य लोगों ने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक अवदान को याद किया। इस दौरान भजन संगीत के माध्यम से जीवन की सार्थकता का संदेश भी दिया गया। पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी हरिभूमि, आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताश्री थे। श्रद्धांजलि सभा में सभी दिग्गजों ने पंडित द्विवेदी जी की सत्य निष्ठा और तप निष्ठा को याद कर उनकी पुण्य स्मृतियों को संजोया।

पुष्पांजलि

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने इस मौके पर डॉ. हिमांशु द्विवेदी के परिवारजनों से मिलकर उनको ढांढस बंधाया।

पूजा अर्चना

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के बड़े बेटे डॉ. हिमांशु ने त्रयोदशी के मौके पर पुण्य आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की।

इन हस्तियों ने जताई संवेदनाएं

हरिभूमि-आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमाशु द्विवेदी के यहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शोक व्यक्त किया।

भजनों के माध्यम से पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई

छग के पूर्व विस अध्यक्ष भी पहुंचे

छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह डॉ. हिमांशु और उनकी माता जी श्रीमती रमा द्विवेदी से मिलकर उनको सांत्वना देते हुए।

श्रद्धासुमन

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ग्वालियर पहुंचे और वहां स्व.कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

खाद्य मंत्री ने दुख जताया

मप्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने डॉ. हिमांशु और परिवार से मिलकर अपनी शोक संवेदना जताई।

पारिवारिक रीति रिवाज

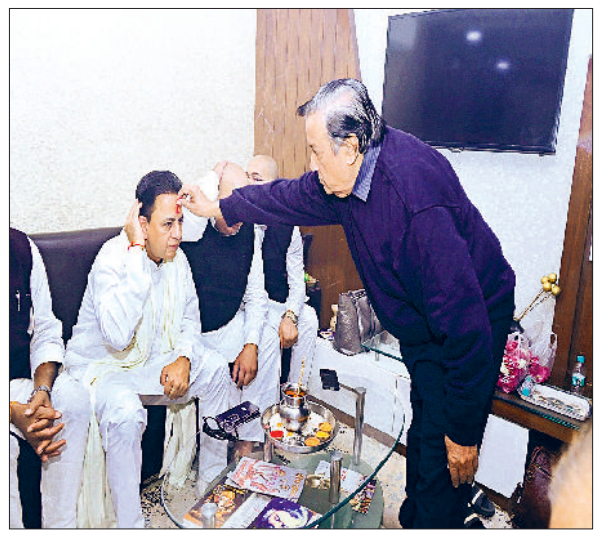

इस दौरान पारिवारिक रीति रिवाजों का पालन किया गया। डॉ. हिमांशु के परिजन और रिश्तेदार मौजूद रहे।

ढांढस बंधाया

डॉ. हिमांशु द्विवेदी को ढाढस बंधाते हुए गणमान्य वरिष्ठजन।

दिनभर रहा आना-जाना

ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने वाले शुभचिंतक एवं रिश्तेदारों का दिन भरआना जाना लगा रहा।

हाल-चाल भी लिया

डॉ. हिमांशु और उनके परिजनों से आगंतुकों ने हालचाल भी जाना

शोक संवेदना

मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री व भाजपा की वरिष्ठ नेत्री माया सिंह और पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह

परंपरा निर्वहन

परंपरा के अनुसार त्रयोदशी के मौके पर पूजा व गंगा प्रसादी का आयोजन किया गया। इसके बाद ब्राह्मण भोज हुआ। डॉ. हिमांशु ने विधि विधान से परंपराओं को पूर्ण कराया।

प्रार्थना सभा में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रार्थना सभा के दौरान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. हिमांशु के परिजन, रिश्तेदार सहित दूर दराज से आए गणमान्य नागरिकों ने प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी के आयोजन में भाग लिया। विशिष्टजनों ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचार रखे।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा नई दिल्ली और मॉस्को में दोस्ती की एक नई इबारत लिख गया है। दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमंद है। शिखर बैठक ने इस भरोसे को और मजबूती दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। हमारी विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। पुतिन की इस यात्रा के बाद यह सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक महत्व

विश्लेषण
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस और रक्षा सहयोग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। पुतिन के भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

आर्थिक साझेदारी महत्वपूर्ण

मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता का मुख्य बिंदु तेल और रक्षा के पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग से हटकर आर्थिक साझेदारी को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाना था, हालांकि पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर रूस के साथ अपने संबंधों को कम करने के लिए दबाव बढ़ रहा था। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति देने के अपने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह मित्रता ''ध्रुव तारे'' की तरह अडिग बनी हुई है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा। दरअसल, भारत पश्चिमी मुल्कों को यह संदेश देना चाह रहा है कि यह किसी के दबाव में विदेश नीति का निर्माण नहीं करता और ना ही किसी ध्रुव का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर पुतिन चीन को यह बतलाना चाह रहे हैं कि रूस केवल एक देश पर निर्भर नहीं रहेगा बल्कि वह विकल्पों की तलाश में है।

पश्चिम के देश असहज

अहम बात यह है कि बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के करीब नजर आए हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन की सबसे दुर्लभ विदेश यात्राओं में से एक है। पिछले तीन वर्षों से अमेरिका और यूरोप पुतिन को वैश्विक मंच से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत जब पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करता है, तो पश्चिमी देशों की यह मुहिम कमजोर साबित होती दिखती है। रूस से भारत के संबंधों को लेकर पश्चिम के देश असहज भी रहते हैं। पश्चिमी देशों की कोशिश है कि पुतिन को अलग-थलग कर दिया जाए। लेकिन भारत जैसा बड़ा देश पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत करता है। तो ऐसे में यूरोप की इस रणनीति पर पानी फिरता दिख रहा है। जब भारत जैसा बड़ा लोकतांत्रिक देश रूस के साथ बड़े समझौता करता है तो इससे बाकी दुनिया में एक संदेश जाता है कि पुतिन विश्व के अहम नेताओं की लिस्ट में शुमार हैं। रूस की इकॉनमी को कमजोर करने के इरादे से यूरोप और अमेरिका ने रूस पर कई बैन लगाए थे। लेकिन भारत सस्ती कीमत पर रूस से कच्चा तेल काफी मात्रा में खरीद रहा है। यूरोप को लगता है कि रूस पर लगे बैन के बावजूद उसे अच्छा-खासा रेवेन्यू मिल रहा है, जिसे वह यूक्रेन युद्ध में खर्च कर रहा है।

यूरोप की रणनीति को धक्का

अमेरिका और यूरोप चाहता है कि रूस से कोई भी देश डिफेंस इक्विपमेंट या हथियारों का कोई कारोबार ना करे। लेकिन हथियारों के मामले में भारत हमेशा से रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद खरीदार रहा है। इससे यूरोप की उस रणनीति को धक्का पहुंचता है, जिसमें वह चाहता है कि सैन्य रूप से भी रूस को अलग-थलग कर दिया जाए। पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की खुलकर निंदा करें और वह यूरोप के खेमे में आ जाए। लेकिन भारत ने यहां अपनी विदेश नीति का पालन करते हुए इस पर निष्पक्ष रुख रखा। उसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग से दूरी बनाए रखी है और किसी भी पाले में शामिल नहीं हुआ। भारत के इस निष्पक्ष रुख से दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूती मिलेगी। दरअसल, पश्चिमी देश रूस के खिलाफ पूरी दुनिया को लामबंद करना चाहते हैं, लेकिन पुतिन का भारत दौरा रूस-चीन-भारत के बीच मजबूत होते संबंध का मैसेज देता है। ऐसे में यूरोप के लिए पुतिन के इस दौरे को कूटनीतिक झटके के रूप में देखा जा सकता है। कुल मिलाकर दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमेरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है।

भारत के लिए राष्ट्रहित अहम

यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। यह यात्रा केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने से कहीं अधिक है, यह एक रणनीतिक आश्वासन है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

अनुपम मित्रता का श्रेष्ठ उदाहरण हैं भारत-रूस

आयाम
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा से दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की परहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी पराभव अनुभव नहीं किया। इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है।

दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है।

अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया। पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन होने पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है। इस शिखर वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिये प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। पुतिन की यात्रावधि में महत्त्वपूर्ण इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में मोदी ने विश्व में सबसे कम मूल्यों के साथ उपलब्ध श्रेष्ठ गुणवत्ता की भारतीय औषधियों के निर्माण में रूसी औषध उद्योग के सहयोग का आह्वान भी किया है। लगभग सभी क्षेत्रों में रूस ने भारत की हमेशा एक सच्चे मित्रराष्ट्र के रूप में सहायता की है। प्रत्युत्तर में भारत ने भी अपने मैत्रीपूर्ण कर्त्तव्यों का सदैव उत्तरोत्तर निर्वहन किया है।

हैदराबाद हाउस से उठती कूटनीति की गूंज

समीकरण
कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात सिर्फ दो राष्ट्राधिकारियों का औपचारिक संवाद नहीं था, बल्कि एक ऐसे वक्त में हुई ऐतिहासिक बैठक थी जब वैश्विक राजनीति कई मोर्चों पर तीव्र परिवर्तन से गुजर रही है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरण, यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों का बढ़ता दबाव, एशिया की नई रणनीतिक प्राथमिकताएं आदि इन सभी के बीच पुतिन का भारत आना और भारत द्वारा अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इस उच्चस्तरीय मुलाकात में भारत ने यह दो टूक कहा कि वह न्यूट्रल नहीं है, बल्कि शांतिपक्ष में है। यह बयान अपने आप में भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बँधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है। यही भारतीय विदेश नीति की वह धारा है जिसने दशकों से भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीय, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि पुतिन ने खुलकर कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि उसके पास मोदी जैसे नेता हैं और उन्होंने यूक्रेन संकट में भारत की शांति कोशिशों की सराहना की। पुतिन का यह औपचारिक आभार न केवल हिंद-रूसी रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत आज उस स्थिति में है जहाँ विश्व की प्रमुख शक्तियां उसकी मध्यस्थता, उसके संवाद और उसके रुख को गंभीरता से सुनती हैं। भारत के राष्ट्रपति भवन में पुतिन को 21 तोपों की सलामी दी गई। यह सम्मान उस गहरे द्विपक्षीय भरोसे और परंपरा का प्रतीक है जिसने दोनों देशों को दशकों से जोड़ा हुआ है। पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह कदम न केवल भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैश्विक संघर्षों के बीच गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाधान का मार्ग हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया। यह शब्द केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश है। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों में रूस के साथ संवाद सीमित हो गया है, भारत का यह रुख उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। यह भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है जो वह वैश्विक शांति के लिए निभा सकता है। पुतिन का यह दौरा अमेरिकी और पश्चिमी दबावों के बीच हुआ। लेकिन भारत ने जिस सहजता, गरिमा और स्पष्टता के साथ अपनी स्थिति रखी, वह उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बंधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है।

भारत और रूस के बीच अहम डील

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।

- भारत सरकार और रूसी संघ की सरकार के बीच एक राज्य के नागरिकों की दूसरे राज्य के क्षेत्र में अस्थायी श्रम गतिविधि पर समझौता।
- भारत और रूस के बीच अनियमित प्रवासन से निपटने में सहयोग पर समझौता।
- भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और रूसी संघ के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।
- भारत और परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उपभोक्ता अधिकार संरक्षण और मानव कल्याण पर निगरानी हेतु संघीय सेवा (रूसी संघ) के बीच समझौता।
- ध्रुवीय जल में परिचालन करने वाले जहाजों के लिए विशेषज्ञों के प्रशिक्षण पर भारत गणराज्य सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के परिवहन मंत्रालय के बीच समझौता।
- भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के समुद्री बोर्ड के बीच समझौता।
- मेसर्स जेएससी यूरालकेम और मेसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और इंडियन पोटाश लिमिटेड के बीच समझौता।
- भारत और रूसी संघ के बीच माल और वाहनों के आवागमन के संबंध में आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में सहयोग के लिए भारत गणराज्य सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और संघीय सीमा शुल्क सेवा (रूसी संघ) के बीच प्रोटोकॉल।
- भारत के संचार मंत्रालय के डाक विभाग और जेएससी रूसी पोस्ट के बीच द्विपक्षीय समझौता।
- रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे और संघीय राज्य स्वायत्त उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान श्नेशनल टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, टॉम्स्क के बीच वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग पर समझौता।
- मुंबई विश्वविद्यालय, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष की संयुक्त स्टॉक कंपनी प्रबंधन कंपनी के बीच सहयोग के संबंध में समझौता।
- प्रसार भारती, भारत और संयुक्त स्टॉक कंपनी गजप्रोम-मीडिया होल्डिंग, रूसी संघ के बीच प्रसारण पर सहयोग और सहभागिता के लिए समझौता।

कार्टूनिस्ट की नजर में ...

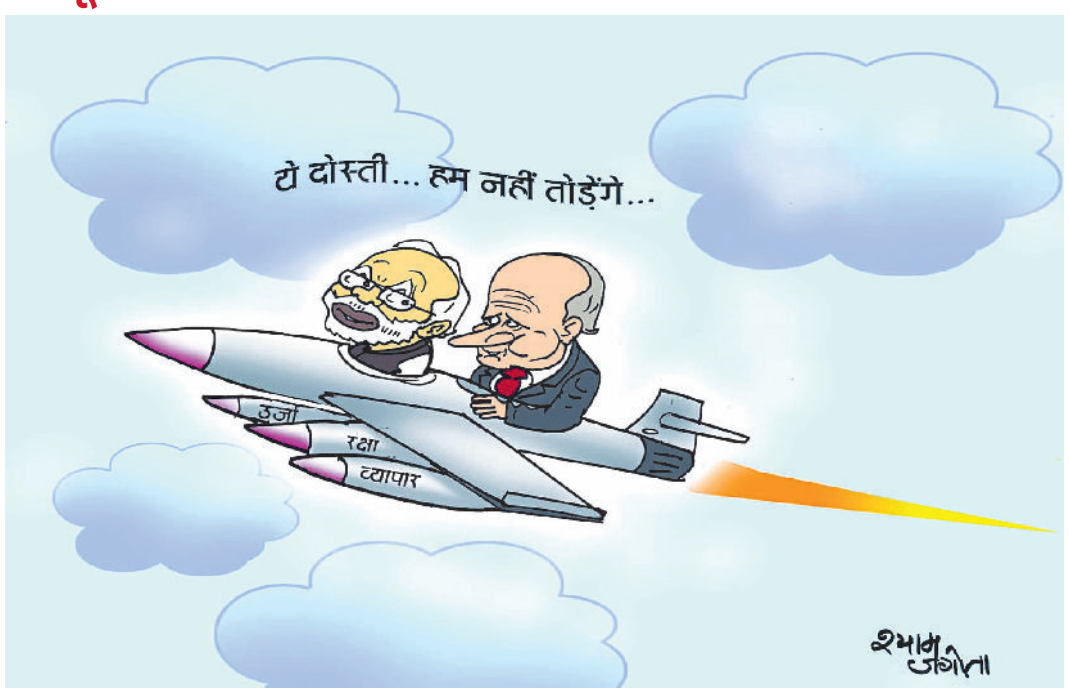

भारत ने दिया दोस्ती, सार्वभौमिकता और खुदमुख्तारी का सन्देश

कूटनीति
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

रशियन फेडरेशन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पूरी कर जा चुके हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं यानी राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमन्त्री मोदी के बीच खूब गर्मजोशी दिखाई पड़ी और पुतिन की अगवानी करने के लिए तो प्रधानमन्त्री मोदी ने निर्धारित प्रोटोकॉल को भी तोड़ दिया, जैसा कि वे इसके पहले भी कई बार अन्य शासनाध्यक्षों की अगवानी के लिए कर चुके हैं। पुतिन की इस यात्रा से क्या निष्कर्ष निकलते हैं, इसका तो अभी आने वाले दिनों में गुणा-भाग किया जाएगा लेकिन फिलहाल यह यात्रा अपने प्राथमिक उद्देश्य में सफल कही जा सकती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। प्रधानमन्त्री मोदी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में दुनिया को सन्देश दिया कि वैश्विक मंच पर भारत न्यूट्रल नहीं है। भारत हमेशा शान्ति का तरफदार रहा है। थोड़ा गहराई में जाएं तो पाएंगे कि इस तरह की यात्रायें, जितना राजनीतिक दिखायी पड़ती हैं, उससे कहीं ज्यादा कूटनीतिक और व्यापारिक होती हैं। इस यात्रा का भी लब्बोलुआब कूटनीति और व्यापार ही रहा है। यूक्रेन से हो रहे युद्ध में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के व्यापारिक प्रतिबन्ध लगाकर उसे अलग-थलग और आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश की है और अमेरिका तो रूस के लिए आग बबूला हुआ बैठा है।

ऐसे में रूस को अपना काम-धंधा चलाने और यूक्रेन से लड़ाई लड़ने की दो गम्भीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में रूस के दो पुराने मित्र भारत और चीन ने निश्चित तौर पर उसे व्यापारिक सहारा दे रखा है। भारत आने से पहले मार्च 2024 में पुतिन ने चीन का भी राजकीय दौरा किया था। भारत और रूस के कई दशक पुराने द्विपक्षीय सम्बन्ध और समझौते रहे हैं। ध्यान रहे कि कोई भी रूसी राष्ट्रपति आज तक पाकिस्तान नहीं गया है। ऐसा लगता है कि वर्ष 1979 से 1989 के बीच अफगानिस्तान में रूसी दखल के समय पाकिस्तान ने अमेरिकी मदद खाकर रूस का जो विरोध किया था, उसको रूस अभी तक भूल नहीं पाया है। भारत और रूस की इस 23वीं शिखर बैठक में जो अहम समझौते किए गए हैं, उनमें एक-दूसरे से सहयोग के अलावा मेडिकल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और उसके मानक, पर्यटन, पोलर शिप्स, मैरीटाइम कोऑपरेशन तथा रासायनिक उर्वरक आदि

देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है।

बताये जा रहे हैं। असल में भारत रूसी सामानों और उत्पादों का बहुत बड़ा ग्राहक है। आप अनुमान लगा सकते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में भारत-रूस के बीच लगभग 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ है। इसमें चिन्ताजनक बात यह है कि रूस ने तो हमको 63.84 अरब डॉलर का सामान बेचा है लेकिन भारत से सिर्फ 05 अरब डॉलर का ही सामान खरीदा है! ऐसे में यह बहुत बड़ा व्यापार असंतुलन का विषय है। देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है। भारत कृषि, दवा, उपभोक्ता सामान, कपड़ा तथा औद्योगिक सामाग्री का बड़े पैमाने पर रूस को निर्यात कर सकता है। अभी तो इस आपसी व्यापार में तसल्ली की बात यही कही जा सकती है कि रूस भारतीय मुद्रा में भी कुछ भुगतान स्वीकार करता है।

रूसी रक्षा उत्पादों का भारत बहुत पुराना और बड़ा ग्राहक है। इस बार भी रक्षा सम्बन्धी कुछ सौदे हुए हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के समय से ही रूस पर जो आर्थिक प्रतिबन्ध लगे हैं, उससे उसकी उत्पादन क्षमता और व्यवस्था प्रभावित हुई है और वह निश्चित समय पर अपने व्यापार करार पूरे नहीं कर पा रहा है। भारत को खासकर रूसी रक्षा सौदों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है कि आपूर्ति समय से हो सके। श्रमिकों के निर्बाध आवागमन की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही गई है। इसमें अत्यन्त सावधान रहने की जररूरत है क्योंकि भारत से गए श्रमिकों को कथित तौर पर रूस में युद्ध के मैदान में लगा दिया गया था और अभी भी कुछ श्रमिक वहां फंसे बताये जा रहे हैं। भारत और रूस ने वर्ष 1971 में मित्रता और आपसी सहयोग को लेकर 20 वर्षों के लिए एक बड़ी शान्ति सन्धि की थी। यह रिश्ता आज तक चला आ रहा है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमन्द है। अभी सम्पन्न 23वीं शिखर बैठक ने इस भरोसे को और आगे बढ़ाया है। हालांकि पुतिन के भारत आने से ऐन पहले ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के भारत स्थित राजदूतों ने अंग्रेजी दैनिक में एक संयुक्त लेख लिखकर रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा कई यूरोपियन देशों ने अपरोक्ष तौर पर भारत से आग्रह किया था कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव बनाये। उधर अमेरिकी मीडिया और विश्लेषकों ने इस बैठक को इस भाव में लिया कि पुतिन यह दिखाना चाहते हैं कि पश्चिमी देशों द्वारा उनके देश पर लगाये गए आर्थिक प्रतिबन्धों और उसे अलग-थलग करने की कोशिशों का उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभी यह देखना दिलचस्प होगा कि 'सैंक्शन्स किंग' ट्रम्प इसको किस निगाह से देख रहे हैं।

खबर संक्षेप

सिंगर राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

इलाहाबाद। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र

टिप्पणी से जुड़े एक मामले में भोजपुरी सिंगर और यूट्यूबर नेहा सिंह राठौर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। नेहा सिंह राठौर की अप्रैल में की गई टिप्पणी को लेकर इस साल की शुरुआत में लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

विधायक राहुल की गिरफ्तारी पर रोक

तिरुवनंतपुरम। केरल उच्च न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को

गिरफ्तार से अंतरिम राहत दे दी है। राहुल ममकूटाथिल पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने का आरोप है। जस्टिस के बाबू ने कहा कि वे 15 दिसंबर को राहुल ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेंगे, तब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी।

बाबा साहेब की हर मूर्ति के पास दीवार बनेगी

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़

करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। आज मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, मौत

जालौन। यूपी के जालौन जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित

तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई।थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। कुठौंद थाने के अजय कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से स्वयं को गोली मार ली।

सास की हत्या, काटे पैर और नाती को भी मारा

उदयपुर। जिले के सलूंबर उपखंड के सेमारी इलाके में गुड़ासर गांव के पास जहात फलां में सो रही बुजुर्ग

महिला और उसके पांच वर्षीय नाती की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। आरोपी दामाद फिलहाल फरार है। गौरी और उसका नाती सुरेंद्र कमरों के बाहर बने हॉल में सो रहे थे। रात में बदमाशों ने धारदार हथियार से दोनों पर हमला किया।

कांग्रेस ने सरकार द्वारा उत्पन्न संकट बताया

एविएशन संकट पर कांग्रेस का हमला और केंद्र सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश में जारी विमानन संकट को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है और इसे 'सरकार द्वारा उत्पन्न संकट' बताया है। एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ससिकांत सेंथिल ने इंडिगो द्वारा 5 दिसंबर को 1,000 से अधिक उड़ानों और 6 दिसंबर को सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने को लेकर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू से उन्होंने पूछा कि क्या वे इस अभूतपूर्व संकट की जिम्मेदारी लेंगे या फिर यात्रियों की परेशानी के बीच सिर्फ औपचारिक बयान देते रहेंगे? उन्होंने कहा कि यह संकट सरकार की "ड्युओपॉली नीति" (दो बड़ी कंपनियों के वर्चस्व) का नतीजा है, जिससे विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई और व्यवस्था चरमरा गई।

एफडीटीएल के नियम को कमजोर किया गया

सेंथिल ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को हटाने और कमजोर करने पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लागू किए गए और जुलाई 2025 से आंशिक रूप से लागू सुरक्षा नियमों को संकट के समय वापस लेना यात्रियों की सुरक्षा और क्रू मेंबर्स के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

मोनोपॉली क्यों होने दिया गया

उन्होंने कई हवाई अड्डों को अडानी समूह को सौंपे जाने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सरकार चुनिंदा कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचा रही है, जिससे विमानन ही नहीं बल्कि टेलीकॉम और पोर्ट जैसे अन्य क्षेत्रों में भी एकाधिकार की स्थिति बन रही है।इलेक्टोरल बॉन्ड का हवाला देते हुए कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब और उसके प्रमोटर राहुल भाटिया ने भारी मात्रा में बॉन्ड खरीदे, जिनमें से अधिकतर सत्ताधारी दल ने भुनाए।

उठाए सवाल

उन्होंने इसे 'क्रोनी कैपिटलिज्म' (चहेते पूंजीवाद) करार देते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता खत्म हो रही है और राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंच रहा है। सेंथिल ने सरकार से सवाल किए कि विमानन क्षेत्र को जानबूझकर एकाधिकार और ड्युओपॉली की तरफ क्यों धकेला गया?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'भारतीय राजनीति के भस्मासुर': भाजपा

पूरी दुनिया रूस के राष्ट्रपति पुतिन व प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती देख रही है: भाटिया

तब कांग्रेस का एक खेमा मातम मना रहा है: गौरव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'भारतीय राजनीति का भस्मासुर' करार दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब पूरी दुनिया रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती देख रही है, तब कांग्रेस का एक खेमा मातम मना रहा है। भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को देश की बढ़ती साख नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी निजी राजनीति दिखाई देती है। गौरव भाटिया ने राहुल गांधी की महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में गैर-मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए उन्हें अपरिपक्व और गैर-जिम्मेदार नेता बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष होने के बावजूद राहुल न तो स्वतंत्रता दिवस पर दिखते हैं, न गणतंत्र दिवस पर और न ही नए मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण में, लेकिन अगर जॉर्ज सोरोस बुला लें तो वे सुबह 5 बजे भी पहुंच जाएंगे। भाटिया ने याद दिलाया कि राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश, मॉरीशस और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों से मिल चुके हैं, फिर भी कांग्रेस न्योते को लेकर बेवजह का ड्रामा कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने भस्मासुर वाली टिप्पणी को विस्तार देते हुए कहा कि राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, अपने ही सहयोगियों का नुकसान करते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे को कमजोर किया, दिल्ली में लोकसभा चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल की पार्टी का नुकसान किया और बिहार में तेजस्वी यादव की पार्टी को भी नहीं छोड़ा। भाटिया ने दावा किया कि अब राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को भी नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उनके अनुसार, राहुल गांधी ने कांग्रेस को जिस स्थिति में पहुंचा दिया है, वह सबके सामने है और अब यही हाल वे अपने साथियों का कर रहे हैं।

गौरव भाटिया ने कांग्रेस की पुरानी नीतियों को धारा 370 और चीन-पाकिस्तान विवाद की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यूएनएससी में भारत की जगह चीन को महत्व दिया। इसके अलावा, उन्होंने ममता बनर्जी और इंडिया ब्लॉक पर हिंदू धर्म से नफरत करने और घुसपैठियों को वोट बैंक बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने हुमायूं कबीर की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश शरिया से नहीं, संविधान से चलता है। भाटिया ने राहुल गांधी को सलाह दी कि वे संविधान पढ़ें, क्योंकि वे अनुच्छेद 35 और यूसीसी पर लगातार गलत बयानी कर रहे हैं।

संसद भवन के बाहर संसदीय मंत्री से टकराए नेता प्रतिपक्ष

रिजिजू ने कहा- 'थोड़ा डर गया मैं', दोनों ने मिलाया हाथ व हंसी-मजाक भी किया

राहुल गांधी और किरेन रिजिजू का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों नेता हंसी-मजाक करते और हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं. वीडियो में रिजिजू मजाकिया अंदाज में कहते हैं, थोड़ा डर गया मैं'। इस दौरान राहुल गांधी के साथ कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला और उदित राज भी मौजूद थे।

संसद के बाहर रिजिजू और राहुल ने मिलाया हाथ और विनोद किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को संसद में श्रद्धांजलि दी। जब वे श्रद्धांजलि देकर संसद से बाहर निकल रहे थे तब उनकी मुलाकात केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजूजू से हो गई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दोनों नेता हंसी-मजाक करते और हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में केंद्रीय मंत्री रिजिजू मजाकिया लहजे में राहुल गांधी से कहते हुए सुने जा सकते हैं, 'थोड़ा डर गया मैं।' नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ में इस दौरान कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला और उदित राज भी मौजूद थे। यह मुलाकात तब हुई जब दोनों संसद में डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। श्रद्धांजलि के बाद राहुल ने कहा कि आंबेडकर जी एक आदर्श पुरुष हैं। उन्होंने हमें संविधान दिया। हर भारतीय का संविधान खतरे में है, हम इसकी रक्षा करते हैं।

शनिवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर को संसद में श्रद्धांजलि दी

पीएम मोदी, राष्ट्रपति समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

संसद भवन में राष्ट्रपति, पीएम और अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

देशभर में दी गई आंबेडकर को श्रद्धांजलि

देशभर में आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। आंबेडकर ने संविधान की रचना कर देश को लोकतंत्र की मजबूत नींव दी। वेसामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

आंबेडकर ने पूरे देश को रास्ता दिखायाः राहुल

राहुल ने कहा आंबेडकर पूरे देश के आइकॉन हैं और उन्होंने पूरे देश को रास्ता दिखाया है। उन्होंने हमें संविधान दिया, तो इसलिए हम उनको याद करते हैं। जो उनके आइडिया हैं और संविधान की रक्षा करते हैं।

पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता देश का मार्गदर्शन करती रहेगी

प्रधानमंत्री ने संसद भवन में बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने लिखा, महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब को याद करते हुए। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संवैधानिकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा

आंबेडकर संविधान के प्रमुख वास्तुकार और सामाजिक न्याय के महान समर्थक थे

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा भारत रत्न बाबासाहेब को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख वास्तुकार और सामाजिक न्याय के एक महान समर्थक थे। समानता, गरिमा और भाईचारे के लिए उनके अथक संघर्ष ने आधुनिक, प्रगतिशील और समावेशी भारत की नींव रखी। उनके विचार एक न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण थे।

खरगे बोले

उनके आदर्श हमारे पथ को निरंतर रोशन करते रहें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आंबेडकर का दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता एवं संवैधानिकता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके आदर्श हमारे पथ को निरंतर रोशन करते रहें।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव

पाकिस्तान पर नरमी पर जयराम ने किए कटाक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के व्हाइट हाउस ने 2025 की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की है, जिसमें भारत-पाकिस्तान संबंधों और पाकिस्तान को लेकर अमेरिकी रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस दस्तावेज को लेकर केंद्र सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच 'भड़कते संघर्ष को समाप्त किया था'। यह दावा दस्तावेज़ की प्रस्तावना के साथ-साथ पेज नंबर 8 पर भी दर्ज है।

जयराम रमेश के अनुसार, 33 पन्नों की इस नई रणनीति में पाकिस्तान को लेकर अमेरिकी नीति में उल्लेखनीय नरमी दिखाई देती है। 2017 की ट्रंप-कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान पर आतंकवादी संगठनों को समर्थन देने, अमेरिका के सहयोगी देशों के खिलाफ गतिविधियों और अपने परमाणु हथियारों के गैर-जिम्मेदाराना प्रबंधन को लेकर कड़ी आलोचना की गई थी। लेकिन 2025 की इस नई रणनीति में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी कोई तीखी टिप्पणी शामिल नहीं की गई है। इसे अमेरिका की बदली हुई रणनीतिक प्राथमिकताओं के रूप में देखा जा रहा है।

जयराम रमेश ने इस घटनाक्रम पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा 'क्या से क्या हो गया, बेवफ़ा तेरी दोस्ती में।'विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति के लिए अहम संकेत हो सकता है और आने वाले समय में भारत-अमेरिका और पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों पर असर डाल सकता है।

गुजरात में संसद खेल महोत्सव का सफलतापूर्वक समापन

खेल क्रांति सबसे बड़ा आंदोलन और मजबूत मंच बना

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में 'संसद खेल महोत्सव 2025' का केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समापन किया। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह खेल उत्सव देशभर में खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत मंच बन गया है। करीब 5 वर्ष पहले शुरू किए गए इस महोत्सव ने आज 300 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में औसतन सवा लाख प्रतिभागियों को जोड़ दिया है, जिनमें विद्यार्थी, युवा और वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने खेल, फिटनेस और स्वास्थ्य को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाने, प्रतिभाओं को पहचान देने और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई है।

गुजरात बन गया खेलों की राजधानी

5 वर्ष पहले शुरू किए गए इस महोत्सव में लाखों प्रतिभागी जुड़े

खेल महोत्सव के समापन पर गृहमंत्री शाह

3 चरणों में किया गया आयोजन

शाह ने बताया कि यह तीसरा खेल महोत्सव तीन चरणों में आयोजित किया गया। विधानसभा स्तर और 21 नवंबर से 2 दिसंबर तक लोकसभा स्तर पर। इस बार 1 लाख 57 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 87 हजार पुरुष और करीब 70 हजार महिला खिलाड़ी शामिल थीं। 1 लाख 57 हजार प्रतिभागियों में से 8,500 से अधिक विजेता बने।

गुजरात देश का सबसे बड़ा खेल आंदोलन चलाने वाला राज्य बना

शाह ने कहा कि मोदी के 'खेलो गुजरात', 'खेल महाकुंभ', प्रतिभा खोज कार्यक्रमों, खेल विद्यालयों, अकादमियों और आधुनिक ट्रेनिंग सेंटरों की वजह से गुजरात देश का सबसे बड़ा खेल आंदोलन चलाने वाला राज्य बन गया है। वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सारी सुविधाएं मौजूद हैं। विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिल रहा है।

सरकार ने अनेक योजनाएं शुरू की

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2014 में खेल बजट केवल 800 करोड़ था, जो 2025 में बढ़कर करीब 4,000 करोड़ हो गया है। इसके परिणामस्वरूप

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **विशाल उर्फ राहुल, पुत्रः राकेश, निवासीः गली नंबर-7, कुशक रोड नंबर-2, खड्डा कॉलोनी, स्वरूप नगर, दिल्ली** अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR. No. 560/2022 U/S 392/397/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना स्वरूप नगर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **विशाल उर्फ राहुल** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **विशाल उर्फ राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR. No. 560/2022 U/S 392/397/411/34 IPC थाना स्वरूप नगर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **विशाल उर्फ राहुल** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 05.01.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

DP/16393/ON/2025
(अदालती मामला)

आदेशानुसार, सुश्री वंदना
एएसजI-II उत्तर, कमरा संख्या 202
द्वितीय तल, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

भाजपा नेता मालवीय ने सीएम ममता पर लगाया मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण करने का आरोप

टीएमसी के निलंबित विधायक ने आधारशिला रखी

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने पर भाजपा ने ममता पर साधा निशाना, बेनर्जी विधायक का इस्तेमाल कर रही

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद की आधारशिला रखी, जिसपर भाजपा ने अपनी तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया।

आधारशिला रखने का समारोह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और आसपास के बेलडांगा इलाके में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियाँ तैनात की गईं।

वरिष्ठ भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने के लिए विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं और बेलडांगा से आई खबरों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने मंच पर आए मौलवियों के साथ एक औपचारिक रिबन काटा, इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए गए, जहाँ सुबह से ही हजारों लोग जमा थे।

कबीर, जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया था, जिसे पार्टी ने सांप्रदायिक राजनीति में लिप्त बताया था, ने इस महीने की शुरुआत में आधारशिला समारोह की घोषणा की थी, जिसकी राजनीतिक आलोचना हुई और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी। आधारशिला समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है। मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद शैली' की मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूँ कबीर की योजना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान मचा दिया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस, जिसने विधायक को निलंबित कर दिया है, पर लोगों का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया, जबकि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताया।

बेलडांगा को राज्य का सबसे सांप्रदायिक स्थान बताया

बेलडांगा को राज्य के सबसे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में से एक बताते हुए, मालवीय ने चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है, जो उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाली जीवनरेखा है, जिसके कानून-व्यवस्था और यहाँ तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर परिणाम होंगे।

उन्होंने कहा कि यह तथाकथित मस्जिद परियोजना कोई धार्मिक प्रयास नहीं, बल्कि एक राजनीतिक प्रयास है, जिसका उद्देश्य भावनाओं को भड़काना और वोट बैंक को मज़बूत करना है।

समुदाय की सेवा करने के बजाय यह पश्चिम बंगाल की स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन ममता बनर्जी किसी भी हद तक नहीं रुकेंगी, चाहे इसका मतलब पश्चिम बंगाल को उथल-पुथल की ओर ही क्यों न धकेलना पड़े।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नामः **मनीष कोहली, पुत्रः रंजीत कोहली, निवासीः 32–बी, टॉप फ्लोर, गली नंबर 03, ईस्ट आज़ाद नगर, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **CR No.5545/2021 FIR No. 281/2018 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **मनीष कोहली** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मनीष कोहली** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **CR No.5545/2021 FIR No. 281/2018 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना कृष्णा नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **मनीष कोहली** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **28.02.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

DP/16409/SHD/2025
(अदालती मामला)

आदेशानुसार, श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05,
कोर्ट नं.–3, पूर्वी कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है।

निवेश का नया ट्रेंड : स्मार्ट निवेशकों की पहली पसंद

गोल्ड ईटीएफ व फंड का धमाल

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब एक ग्राम सोने का 10वां हिस्सा
- इन यूनिट्स को एनएसई और बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकेंगे
- सोना हमेशा से धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा, अब निवेश का तरीका भी बदल गया
- अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरना जरूरी नहीं
- गोल्ड ईटीएफ व फंड निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोला

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है। कम खर्च, ऑनलाइन ट्रेडिंग की सुविधा और टैक्स के बड़े फायदे इन दोनों को आज के स्मार्ट निवेशकों के बीच सबसे लोकप्रिय विकल्प बना रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत में सोना सिर्फ निवेश नहीं, बल्कि समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पहले लोग ज्यादातर जेवर, सिक्के या सोने की ईंटें (बार) खरीदकर ही निवेश करते थे, क्योंकि यही आम तरीका था, लेकिन अब समय बदल गया है। आज ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनमें न तो सोना घर पर रखने की जरूरत है और न ही सुरक्षा की चिंता रहती है। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड दोनों विकल्प सोने में निवेश को आसान, सुरक्षित, और बिना झंझट वाला बना देते हैं। आप इन्हें शेयर की तरह ही मार्केट के खुले होने पर कभी भी खरीद-बेच सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश आसान

गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना बहुत आसान होता है। आप इन्हें मार्केट के समय के दौरान तुरंत खरीद या बेच सकते हैं। इन पर लगने वाला सालाना खर्च भी कम होता है, करीब लगभग 0.50%। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प है, जो सोने की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव का फायदा लेना चाहते हैं, बिना इस चिंता के कि सोना घर पर कैसे रखें या उसकी सुरक्षा कैसे करें।

क्यों बेहतर हैं गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड

ये सस्ते होते हैं, खरीदना-बेचना आसान है, चोरी या स्टोरेज की चिंता नहीं, फिजिकल गोल्ड के झंझट (मेकिंग चार्ज, जीएसटी, सेफ्टी) पूरी तरह खत्म रहता है। इसके अलावा, आपको सोने का वही पारंपरिक फायदा भी मिलता है, जैसे महंगाई से बचाव, समय के साथ सोने का मूल्य स्थिर रहता है, अगर आप सोने में एक मॉडर्न, सुरक्षित और बिना झंझट वाला तरीका चाहते हैं, तो गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड सबसे बेहतर विकल्प नजर आते हैं।

क्या इनकी सबसे बड़ी खासियत

- मेकिंग चार्ज नहीं लगता
- स्टोरेज की कोई दिक्कत नहीं
- चोरी या सुरक्षा की चिंता नहीं
- असली सोने की तुलना में कम खर्चे
- अगर आप सोने में निवेश को सिंपल और एफिशिएंट रखना चाहते हैं, तो ईटीएफ और फंड ऑफ फंड बेहतरीन विकल्प हैं।

एक गोल्ड ईटीएफ का क्या होता है मतलब

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब होता है एक ग्राम सोने का दसवां हिस्सा, जिसे बैंक के सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। आप इन यूनिट्स को एनएसईऔर बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकते हैं।

गोल्ड फंड ऑफ फंड

- अगर आपके पास डीमैट अकाउंट नहीं है, या आप चीजों को और भी आसान रखना चाहते हैं, तो गोल्ड फंड ऑफ फंड अच्छा विकल्प है। ये फंड ज्यादातर पैसा गोल्ड ईटीएफ में ही निवेश करते हैं। मतलब आपको सोने का फायदा मिलता है, पर कोई स्टोरेज या सिक्योरिटी की टेंशन नहीं रहती।

कम पैसों से निवेश की सुविधा

- गोल्ड फंड्स में सिर्फ 500 रुपये प्रति महीना एसआईपी से निवेश शुरू कर सकते हैं। इनके खर्च (एक्सपेंस रेश्यो), ईटीएफ के मुकाबले कुछ ज्यादा होते हैं, कुल मिलाकर करीब 1%, क्योंकि इनमें ईटीएफ का खर्च भी शामिल होता है, लेकिन इसका फायदा यह है कि डीमैट की जरूरत नहीं होती।

शेयर और प्रॉपर्टी से लेकर रिटायरमेंट तक

बेहद कारगर है 7 फीसदी का रूल

- इस नियम से शेयर में नुकसान कम करने में मदद मिलती है
- रिटायरमेंट प्लानिंग और रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट में भी करता है सहायता
- निवेश से पहले जान लें तरीका, आंख बंद करके फॉलो न करें कोई नियम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

निवेश से जुड़े फैसले करना जितना आसान लगता है, उतना है नहीं। गलत फैसले कभी-कभी पूरी प्लानिंग बिगाड़ देते हैं। इसलिए कई पॉपुलर इनवेस्टमेंट रूल यानी निवेश के नियम इस्तेमाल किए जाते हैं, ताकि फैसले करना आसान हो सके। ऐसा ही एक नियम है "7% रूल" यानी 7% का नियम. यह एक ऐसा रूल है, जिसे शेयर बाजार ट्रेडिंग से लेकर रिटायरमेंट प्लानिंग और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट तक, इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन ऐसे किसी भी नियम को सिर्फ एक इंडिकेटिव टूल की तरह लेना चाहिए, इन्हें आंख मूंदकर फॉलो करना ठीक नहीं होता।

शेयर बाजार में सात प्रतिशत का रूल

ट्रेडिंग करते समय भावनाओं में बहकर फैसला करना सही नहीं होता। कई बार हमारे स्टॉक्स या निवेश की कीमत गिरती रहती है, लेकिन हम स्टॉप लॉस पर अमल करने की जगह रिकवरी की उम्मीद में इंतजार करते रह जाते हैं। इस चक्कर में कई बार बड़ा नुकसान हो जाता है। स्टॉक मार्केट इनवेस्टमें में 7% रूल का मतलब यह है कि आपने कोई शेयर जिस प्राइस पर खरीदा है, उससे 7% नीचे गिरने पर उसे बेच दें, यानी 7% का स्टॉप लॉस लगाएं, इससे आप अपनी पूंजी को आगे चलकर होने वाले बड़े नुकसान से बचा पाएंगे। यहां 7% की लिमिट इसलिए रखी गई है, क्योंकि आंकड़ों पर आधारित कई रिसर्च में यह पाया गया है कि बाजार में माहौल सामान्य हो, तो कोई शेयर 7-8% से ज्यादा गिरने का मतलब उस कंपनी में कोई गंभीर दिक्कत हो सकता है। यानी यह लेवल एक अलार्म की तरह काम करता है। इस नियम से ट्रेडिंग में डिसिप्लिन आता है और भावनाओं को कंट्रोल करके सही फैसला किया जा सकता है।

स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करें फैसला

हालांकि हर शेयर एक जैसा नहीं होता। कुछ ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं। ऐसे में 7% की जगह कभी-कभी 8-10% की दूरी रखनी पड़ सकती है, जबकि स्टेबल ब्लू-चिप स्टॉक्स के लिए 7% काफी है। यानी रूल वही है, लेकिन उसका इस्तेमाल स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करना चाहिए।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल

रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय एक बड़ा सवाल ये होता है कि रिटायरमेंट फंड में जमा पैसे कितने साल तक चल पाएंगे? इस सवाल का जवाब देने में भी 7% का रूल इस्तेमाल किया जाता है। यहां इस रूल का मतलब है कि आप अपनी कुल रिटायरमेंट सेविंग का 7% हिस्सा पहले साल में निकाल सकते हैं। यानी अगर आपके पास 1 करोड़ रुपये हैं, तो पहले साल 7 लाख रुपये निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल महंगाई के असर को देखते हुए थोड़ी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल कितना सही

हालांकि रिटायरमेंट प्लानिंग के मामले में 7% विदड्रॉल का रूल बहुत एग्रेसिव माना जा सकता है। अगर कॉर्पस की बची रकम पर रिटर्न थोड़ा कम मिले या बाजार में गिरावट आ जाए तो इतना ज्यादा पैसा निकालना आपके फंड को जल्दी खत्म कर सकता है। खासकर अगर रिटायरमेंट के बाद लंबे समय तक उस फंड पर निर्भर रहना हो। आमतौर पर 4% विदड्रॉल बेहतर और लॉन्ग टर्म के लिए ज्यादा सुरक्षित माना जाता है. यानी 7% रूल को आंख मूंदकर फॉलो करने की जगह निवेश पर मिल रहे रिटर्न और आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर फैसला करना चाहिए।

प्रॉपर्टी सेलेक्शन में 7% रिटर्न का रूल

अगर आप किराये पर देने के लिए प्रॉपर्टी खरीदना चाहते हैं, तो इस रूल से तुरंत अंदाजा लग जाता है कि डील फायदेमंद है या नहीं। इसके अनुसार किसी भी प्रॉपर्टी से एक साल में मिलने वाली रेंटल इनकम प्रॉपर्टी की वैल्यू के कम से कम 7% के बराबर होनी चाहिए। यानी अगर किसी घर या दुकान की कीमत 1 करोड़ रुपये है, तो उससे एक साल में कम से कम 7 लाख रुपये किराया मिलना चाहिए। यह रूल प्रॉपर्टी खरीदते समय अच्छे ऑप्शन की पहचान करना आसान बनाता है।

रूल से सिर्फ मदद लें, फैसला खुद करें

7% रूल शेयर बाजार, प्रॉपर्टी परचेज और रिटायरमेंट जैसे तीन बड़े आर्थिक फैसलों में आपकी मदद कर सकता है, लेकिन हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, उम्र और जोखिम उठाने की क्षमता अलग-अलग होती है। इसके अलावा मार्केट कंडीशन्स और भविष्य की संभावनाओं पर आधारित आउटलुक भी बदलते रहते हैं, इसलिए इस रूल को समझकर, जरूरत के हिसाब से एडजस्ट करके चलें, निवेश के बारे में सही फैसला तभी ले पाएंगे, जब किसी नियम पर आंख बंद करके यकीन करने की जगह सभी पहलुओं पर विचार करके कदम उठाएंगे।

लग्जरी लाइफ या ईएमआई का मकड़जाल

किसी मुगालते में तो नहीं जी रहे आप

- अमीरी सिर्फ दिखावे की तो नहीं, ये रेड फ्लैग देखकर हो जाएं अलर्ट
- ईएमआई और बीपीएनएल की मदद से अमीरों जैसे दिखने का प्रयास ने करें
- इस तरह तो कर्ज में ही फंसे रहेंगे आप, नहीं मिलेगी कहीं भी राहत
- सैलरी ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल और उधारी में खत्म होना ठीक नहीं

सतर्कता
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी सिर्फ दिखावे के लिए लग्जरी लाइफ जी रहे हैं और अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोन और कर्ज पर निर्भर हैं तो सावधान हो जाएं, आप कर्ज के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। यह आपके जीवन को तबाह कर सकता है। मसलन दिखावे की अमीरी के लिए आप बैंक से लोन ले रहे हैं, बेहताशा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं या फाइनेंसरों के जाल में फंस रहे हैं तो यह किसी भी नजरिये से ठीक नहीं हैं। सोशल मीडिया पर ट्रैवल फोटो, नई कार, ब्रांडेड फोन और फैशन देखकर लगता है कि बाकी सब लाइफ में मस्त हैं और आप पीछे रह गए हैं। इसके बाद शुरुआत होती है ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल की दुनिया। यही मुगालता आपको कर्ज में फंसता है और इससे निकलना काफी मुश्किल हो जाता है। चूंकि व्यक्ति एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लेता है, फिर तीसरा और एक दिन ऐसा आता है जब कर्ज उतारना ही मुश्किल हो जाता है और यह कर्ज का मकड़जाल व्यक्ति को आत्महत्या करने तक विवश कर देता है।

फंसते जाएंगे कर्ज के दल-दल में

देखने में यह सब आसान लगता है, लेकिन धीरे-धीरे ये आदत कर्ज के दलदल की तरफ ले जाती है। अगर आप भी बिना सोचे-समझे ऐसी चीजें खरीद रहे हैं जो आपकी सैलरी अफोर्ड नहीं कर सकती, तो यकीन मानिए ये लाइफस्टाइल दिखने में ग्लैमरस है, लेकिन आपके फाइनेंशियल फ्यूचर के लिए बहुत खतरनाक।

एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना

ये बहुत बड़ा अलर्ट है। अगर आप क्रेडिट कार्ड का बिल दूसरे कार्ड से भर रहे हैं, पर्सनल लोन की किस्त बीएनपीएल से दे रहे हैं, दोस्तों से उधार लेकर मिनिमम ड्यू भर रहे हैं तो समझ लीजिए, आप कर्ज के चक्रव्यूह में फंस चुके हैं। समय रहते यदि इस कर्ज के चक्रव्यूह से नहीं निकले तो आपको भारी परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। इसलिए पहले से ही सावधान हो जाएं और एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज न लें।

ईएमआई में जा रहा सैलरी का 40% या उससे ज्यादा हिस्सा

अगर आपकी सैलरी 60,000 रुपये है, तो ईएमआई 24,000 रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर आपकी रुपये इससे ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि आपकी लाइफस्टाइल आपकी सैलरी से बड़ी है, और ये सीधा जोखिम है।

आपके पास 3-6 माह के खर्च जितना इमरजेंसी फंड नहीं

असली अमीरी ब्रांड्स में नहीं, बल्कि इस बात में है कि अगर कल नौकरी चली जाए तो आप बिना उधार लिए जी सकें। अगर आपके पास 3 महीने का खर्च भी सेव नहीं है, तो आपकी 'अमीरी' सिर्फ दिखावा है। इसलिए दिखावे से पहले बचत की आदत डालें।

सैलरी आते ही खत्म हो रही

अगर सैलरी आने से पहले ही तय हो चुका है कि वो ईएमआई, कार्ड और बिलों में चली जाएगी और आपके लिए कुछ नहीं बचेगा, तो ये साफ संकेत है कि आप पे-चेक टू पे-चेक में जी रहे हैं। इसका मतलब है कि आप पैसों को नहीं, पैसे आपको कंट्रोल कर रहे हैं। ऐसे हालात से भी आपका बचना बेहद जरूरी है।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

छोटे-छोटे निवेश करके भी तैयार कर सकते हैं बड़ा फंड

अगर आपकी आमदनी कम है और आप बचत करना चाहते हैं तो छोटा सा निवेश करके भी आसानी से 10 लाख रुपये तक का फंड जुटा सकते हैं, इससे आपको परेशानी भी नहीं होगी और आप अपनी जरूरत के हिसाब से फंड जुटा पाएंगे। इसके लिए आपको थोड़ा संयम बरताना होगा और वित्तीय योजना भी बनानी होगी। तभी आप अपने निवेश के मकसद में सफल हो पाएंगे। भविष्य में आने वाली मुश्किलों से बचने के लिए आर्थिक रूप से स्थिर होना बेहद आवश्यक है। कम सैलरी होने पर भी छोटे-छोटे निवेश करके एक बड़ा फंड बनाया जा सकता है। नियमित बचत से भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। आज के समय में बचत बेहद जरूरी है। जीवन में कभी भी वित्तीय परेशानी आ सकती है। इस वित्तीय परेशानी से आपको बचत ही बचा सकती है, लेकिन कम सैलरी में सेविंग करना मुश्किल है। बहुत से फ्रेशर्स या युवाओं को शुरुआती सैलरी 30 हजार के आसपास मिलती है। लेकिन युवा इस सैलरी में भी आसानी से अपने लिए दस लाख रुपये तक का फंड एकत्र कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हमने कैलकुलेशन के दौरान मासिक सैलरी 30 हजार मानी है। 30 हजार मासिक सैलरी में खर्चों के साथ सेविंग करना मुश्किल है, लेकिन असंभव नहीं।

तीस हजार की सैलरी में भी बना सकते हैं 10 लाख का फंड
■
थोड़ा संयम और सावधानी से करना होगा निवेश
■
नियमित बचत से आप अपना भविष्य कर सकते हैं सुरक्षित

50:30:20 फॉर्मूला अपनाएं

आप सैलरी मैनेज के लिए 50:30:20 फॉर्मूला का इस्तेमाल कर सकते हैं।

- **50 फीसदी**- सैलरी का 50 फीसदी पैसा जरूरी खर्चों के लिए इस्तेमाल करें। 30 हजार सैलरी में आप 15 हजार अपने जरूरी खर्चे जैसे बिजली का बिल, राशन, किराया इत्यादि के लिए कर सकते हैं।

- **30 फीसदी**- इसके साथ ही 30 फीसदी पैसा आप सेविंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। 30 हजार रुपये से 9000 हजार रुपये आप सेविंग के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- **20 फीसदी**- बाकी का बचा 20 फीसदी पैसा आप अपने शौक या मनोरंजन के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- 30 हजार में आप 6000 रुपये आप मूवी देखना, नए कपड़े लेना इत्यादि ऐसे कामों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

9000 रुपये से कैसे बनाए 10 लाख रुपये का फंड?

जैसे की हमने ऊपर देखा कि आप 30 हजार सैलरी से आसानी से 9000 रुपये बचा सकते हैं। लेकिन आप 9000 रुपये पूरे म्यूचुअल फंड में निवेश न करें। आप इनमें से 5000 रुपये म्यूचुअल फंड और बाकी के 4000 रुपये आरडी या अन्य सुरक्षित स्कीम में निवेश करें। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस बनता है।

म्यूचुअल फंड

- म्यूचुअल फंड में करें 5000 रुपये निवेश
- अगर आप 8 साल के लिए हर महीने 5000 रुपये निवेश करते हैं, तो 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको 8,08,000 रुपये मिल जाएंगे। आपका केवल मूलधन ही 4,80,000 रुपये होगा।

आरडी में करें 4000 रुपये

इसी तरह आप एसबीआई की आरडी में 6 साल के लिए हर महीने 4000 रुपये निवेश कर सकते हैं। 7.5 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको मैच्योरिटी पर 3,64,580 रुपये मिल जाएंगे। इस तरह से आप 8 साल में ही 10 लाख रुपये का फंड आसानी से बना सकते हैं।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्रेडिट स्कोर को बढ़ाने के 5 आसान और असरदार तरीके

अगर आप भी अपना सिबिल स्कोर सुधारना चाहते हैं तो कुछ तरीकों को अपनाना होगा। तभी आप इसे दुरूस्त कर सकते हैं। सिबिल स्कोर आपकी वित्तीय जिम्मेदारी का आईना होता है। इसे बढ़ाने के लिए बिल समय पर चुकाएं, क्रेडिट का कम इस्तेमाल करें, बार-बार लोन न लें, अलग-अलग प्रकार के क्रेडिट रखें और रिपोर्ट नियमित चेक करें। इन आसान आदतों से आपका स्कोर मजबूत होगा और लोन आसानी से मिलेगा। क्या आप जानते हैं कि आपका सिबिल स्कोर आपके पैसे की जिम्मेदारी दिखाता है? यह सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि आपकी वित्तीय आदतों का आईना है। एक अच्छा स्कोर होने से आप लोन या क्रेडिट कार्ड आसानी से पा सकते हैं और कम ब्याज दर का फायदा उठा सकते हैं। आइए उन आसान तरीकों के बारे में जानते हैं कि कैसे आप अपना सिबिल स्कोर बढ़ा सकते हैं और अपने वित्तीय भविष्य को मजबूत बना सकते हैं। सबसे जरूरी है कि आप अपने सभी बिल (ईएमआई , क्रेडिट कार्ड) समय पर चुकाएं। देर से पेमेंट करने से आपका स्कोर गिर सकता है। इसके लिए आप रिमाइंडर सेट कर सकते हैं या ऑटो-पे ऑप्शन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रेडिट का कम इस्तेमाल करें

अपने क्रेडिट कार्ड की पूरी लिमिट इस्तेमाल करना सही नहीं है। कोशिश करें कि आप अपनी लिमिट का केवल 30% ही इस्तेमाल करें। इससे बैंक और लोन देने वाले यह समझेंगे कि आप पैसे जिम्मेदारी से खर्च करते हैं।

बार-बार लोन के लिए न करें आवेदन

जब आप बार-बार नया लोन या क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करते हैं, तो यह आपके स्कोर पर असर डाल सकता है। इसलिए जरूरत पड़ने पर ही आवेदन करें और ज्यादा बार आवेदन न करें।

अलग-अलग प्रकार के क्रेडिट रखे

एक अच्छा क्रेडिट प्रोफाइल बनाने के लिए सिक्योर्ड लोन (जैसे होम लोन, कार लोन) और अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड) दोनों होना चाहिए। यह दिखाता है कि आप अलग-अलग तरह के लोन को संभाल सकते हैं।

क्रेडिट रिपोर्ट समय-समय करें चेक

अपनी क्रेडिट रिपोर्ट को हर कुछ महीनों में देखें। अगर कोई गलती या डुप्लिकेट अकाउंट हो तो तुरंत सुधार कराएं। सही जानकारी होने से आपका स्कोर सुरक्षित रहता है।

क्या है क्रेडिट स्कोर

क्रेडिट स्कोर एक संख्या होती है जो आपकी क्रेडिट योग्यता को दर्शाती है। यह संख्या आपके पिछले क्रेडिट व्यवहार, जैसे कि लाने-देने की समय परता, क्रेडिट कार्ड का उपयोग, लाने-देने की मात्रा, और अन्य कारकों पर आधारित होती है। क्रेडिट स्कोर की रेंजभारत में क्रेडिट स्कोर की रेंज आमतौर पर 300 से 900 तक होती है। ज्यादा स्कोर अच्छा माना जाता है।

- **750 से ऊपर**: अच्छा क्रेडिट स्कोर (लाने-देने की अच्छी संभावना)
- **700-749**: औसत से अच्छा
- **600-699**: औसत
- **600 से नीचे**: खराब क्रेडिट स्कोर (लाने-देने में दिक्कत)

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले कारक

1. पेमेंट हिस्ट्री (35%): समय पर बिल और ईएमआई का भुगतान।
2. क्रेडिट यूटिलाइजेशन (30%): क्रेडिट कार्ड की सीमा का कितना उपयोग किया।
3. क्रेडिट हिस्ट्री की लंबाई (15%): क्रेडिट खाते कितने पुराने हैं।
4. क्रेडिट मिक्स (10%): विभिन्न प्रकार के क्रेडिट (कार लाने, होम लाने, क्रेडिट कार्ड)।
5. नए क्रेडिट एप्लिकेशन (10%): बार-बार लाने के लिए आवेदन करना।

क्रेडिट स्कोर क्यों महत्वपूर्ण है?

- **लाने-देने की मंजूरी**: अच्छा स्कोर होने पर लाने आसानी से मिलते हैं।
- **कम ब्याज दर**: अच्छा स्कोर होने पर ब्याज दर कम मिलती है।
- **क्रेडिट कार्ड ऑफर**: अच्छे स्कोर पर बेहतर क्रेडिट कार्ड मिलते हैं।

रखें ध्यान

- क्रेडिट कार्ड की सीमा का 30% से कम उपयोग करें।
- अनावश्यक क्रेडिट कार्ड बंद करें।
- बार-बार लाने के लिए आवेदन न करें।
- क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियां होने पर सुधार करें।

तीसरा वनडे

कुलदीप, कृष्णा के कमाल के बाद जायसवाल के शतक से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

अफ्रीका को 9 विकेट से मात दी सीरीज 2-1 से जीती

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गयी। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी। जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था। कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र सफलता केशव महाराज (40 ओवर में 44 रन को मिली।

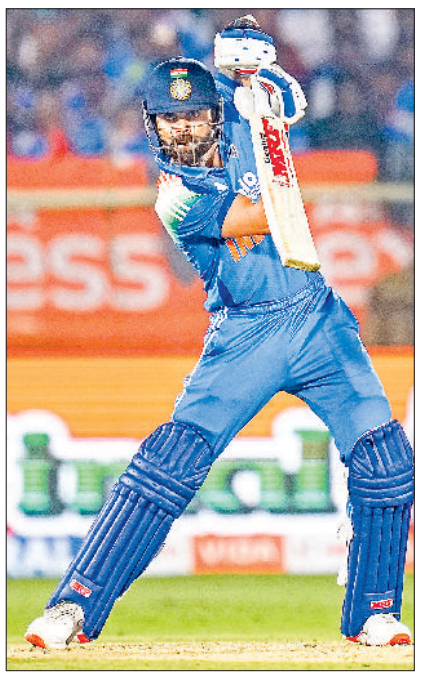

भारत ने 3 कप्तान और 20 वनडे बाद जीता टॉस, केएल राहुल ने तोड़ा जिंक्स

भारतीय क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में आखिरकार टॉस जीत लिया। साउथ अफ्रीका के साथ आखिरी वनडे मुकाबले में केएल राहुल के पक्ष में सिक्का गिरा। टेम्बा बवुमा ने विशाखापत्तनम वनडे में हेड कहा लेकिन टेल आया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 20 वनडे बाद टॉस जीता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इससे पहले के दो वनडे में टीम इंडिया टॉस नहीं जीत सकी थी। भारत ने विशाखापत्तनम वनडे से पहले इस फॉर्मेट में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। भारत ने वनडे क्रिकेट में आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टॉस जीता था। तब रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेले गए मुकाबले में टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। इसके बाद से भारतीय टीम वनडे में टॉस नहीं जीत सकी। इस दौरान रोहित के अलावा शुभमन गिल और राहुल ने भी कप्तानी संभाली।

डिकॉक ने लगाया शतक कई दिग्गजों को पछाड़ा

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने भारत के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में शतक लगाया। उन्होंने 89 गेंद में आठ चौकों व छह छक्कों से 106 रन की पारी खेली। डिकॉक ने वनडे मे 23वीं बार सैकड़ा लगाया। उन्होंने इस पारी के जरिए इतिहास रचा और कई दिग्गजों को पछाड़ दिया। डिकॉक विशाखापत्तनम में शतक के जरिए भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने श्रीलंका के सनत जयसूर्या की बराबरी की। इन दोनों ने भारत के खिलाफ सात-सात वनडे शतक लगा रखे हैं। डिकॉक ने भारत में मेहमान बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में डिविलियर्स की बराबरी की। दोनों के नाम यहां पर सात-सात शतक हैं।

अफ्रीका-270/10 (47.5)

खिलाड़ी	रन
क्विंटन डिकॉक बो कृष्णा	106
रेयान का राहुल बो अर्शदीप	00
तेम्बा बावुमा का कोहली बो जडेजा	48
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24
एडेम मारक्रम का कोहली बो कृष्णा	01
डेवाल्ड ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29
मार्को यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17
कोर्बिन बोश का एवं बो कुलदीप	09
केशव महाराज नाबाद	20
लुंगी एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01
ओर्टनील बार्टमैन बो कृष्णा	03

अतिरिक्त: 12

कुल योग: 47.5 ओवर में सभी आउट: 270 रन

विकेट पतन: 1-1, 2-114, 3-168, 4-170, 5-199, 6-234, 7-235, 8-252, 9-258

गेंदबाजी: अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1 कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0

भारत-271/1 (39.5)

खिलाड़ी	रन
यशस्वी जायसवाल नाबाद	116
रोहित शर्मा का ब्रीट्जके बो महाराज	75
विराट कोहली नाबाद	65

अतिरिक्त: 15

कुल योग : 39.5 ओवर में एक विकेट पर 271 रन

विकेट पतन: 1-155

गेंदबाजी: यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

गिल की वापसी, द.अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे टी-20

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत की टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है। गिल को फिटनेस के आधार पर टीम में चुना गया था और उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए रिहैबिलिटेशन से जुड़े सारे प्रोटोकॉल से गुजरना पड़ा। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा (एसएसएम) टीम को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'शुभमन गिल ने सीओई में अपना रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्होंने खेल के सभी प्रारुपों के लिए फिट घोषित होने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा कर लिया है।'' इस टीम में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स शामिल हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

अभिषेक ने 182 की स्ट्राइक रेट से 34 गेंदों पर बनाए 62 रन

नई दिल्ली। पंजाब क्रिकेट टीम के कप्तान व भारतीय टी20 टीम के ओपनर बल्लेबाज सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस सीजन में सर्विसेज के खिलाफ लीग मैच में उन्होंने फिर से जोरदार बैटिंग की और जमकर रन बनाए। इस मैच में सर्विसेज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इस मैच में अभिषेक ने प्रभसिमरन सिंह के साथ मिलकर पारी की शुरुआत की और पहले विकेट के लिए इन दोनों के बीच 106 रन की तगड़ी साझेदारी हुई। इसके बाद प्रभिसिमरन सिंह 28 गेंदों पर 50 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि कुछ देर के बाद ही अभिषेक का भी विकेट गिर गया, लेकिन उन्होंने 34 गेंदों पर 62 रन बनाए। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान 3 छक्के और 8 चौके लगाए जबकि उनका स्ट्राइक रेट 182.35 का रहा।

गोवा ने जम्मू-कश्मीर को हराया

कोलकाता। कप्तान सुयश प्रभुदेसाई की 28 गेंदों में 51 रन की नाबाद तूफानी पारी की बदौलत गोवा ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप बी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। गोवा की जीत में कश्यप बखाले ने 44 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से शानदार 59 रन बना कर अहम भूमिका निभाई टीम ने जम्मू-कश्मीर के निर्धारित 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में तीन विकेट खोकर 167 रन बनाए। गोवा के लिए शुभम तारी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिए। ईडन गार्डन्स में खेले गये मैच में जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों में यावर हसन (48) और कप्तान शुभम खजूरिया (45) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आखिरी ओवरों में अब्दुल समद ने नौ गेंदों पर दो चौकों और इतने ही छक्कों के साथ 22 रन की आतिशी पारी खेली।

मुंबई ने ग्रुप ए से सुपर लीग में की अपनी जगह पक्की

लखनऊ। सितारों से सजी मुंबई की टीम ने पिछले दौर में केरल से मिली हार को पीछे छोड़ते हुए सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में छत्तीसगढ़ को आठ विकेट से हराकर सुपर लीग में अपनी जगह पक्की की। मुंबई की इस जीत में कप्तान शारदुल ठाकुर (19 रन पर तीन विकेट) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया जबकि युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे (39 गेंदों पर नाबाद 69 रन) ने अर्धशतक जड़कर टीम को जीत दिलाई। मुंबई ने छत्तीसगढ़ को 19.4 ओवर में 121 रन पर आउट करने के बाद 15.5 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्रुप चरण में अब सिर्फ एक और दौर का खेल बाकी है। इस जीत के साथ गत विजेता मुंबई और आंध्र ने एक समान छह मैचों में पांच जीत से 20 अंक के साथ टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। म्हात्रे और भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (28 गेंदों पर 40 रन) ने 82 रन की शानदार साझेदारी कर मुंबई की आसान जीत की नींव रखी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जस्टिन का दोहरा शतक वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत, मैच ड्रा

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

जस्टिन ग्रीव्स ने अपने कौशल और धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए नाबाद 202 रन बनाए और केमार रोच के सातवें विकेट के लिए 180 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के कमजोर आक्रमण की चुनौती को ध्वस्त करते हुए पहला टेस्ट ड्रॉ करा दिया।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 531 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 457 रन का स्कोर बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के पांच तक सीमित होने के बाद चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल यह चौथी पारी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वेस्टइंडीज एक समय टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रहा था लेकिन मैच ड्रॉ कराकर भी उसने शानदार उपलब्धि हासिल की।

ग्रीव्स ने 9 घंटे 30 मिनट में लगाया दोहरा शतक

अपने टेस्ट करियर में पहली बार दोहरा शतक लगाने वाले ग्रीव्स ने लगभग नौ घंटे 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शाई होप (140) के साथ 196 रन की साझेदारी वेस्टइंडीज को चार विकेट पर 72 रन के स्कोर से उबारा। होप मैच के पांचवें और अंतिम दिन आउट होने वाले वेस्टइंडीज के दो बल्लेबाजों में से एक रहे। रोच ने अपने बल्लेबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 58 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 233 गेंद का सामना किया। ग्रीव्स ने 388 गेंद का सामना करके 19 चौके लगाए। वह किसी टेस्ट मैच की चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के चौथे और ओवरऑल सातवें बल्लेबाज बन गए हैं। ग्रीव्स ने मैच के बाद कहा, 'मेरा आखिर तक टिके रहना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण था। यह मेरे लिए और टीम के लिए एक विशेष दिन है। हम काफ़ी मुश्किल दौर से गुज़र रहे थे।'

निशानेबाजी विश्व कप में पदक से चूके रुद्रांक्ष, बबूता

दोहा। भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता सत्र के आखिरी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पदक जीतने से चूककर क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष ने इस सत्र में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था। वह 631.9 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन दौर में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे।

डेजर्ट वाइपर्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| शारजाह

डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स पर दो विकेट से रोमांचक जीत हासिल की। नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 171 रन बनाए। उसकी तरफ से एलेक्स हेल्स ने 37 गेंदों पर तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली। इनके अलावा आंद्रे रसेल ने 23 गेंद पर नाबाद 36 रन का योगदान दिया। वाइपर्स ने 19.3 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से शिमरोन हेटमायर ने 25 गेंदों में 48 रन की शानदार पारी खेली जबकि खुजैमा तनवीर ने डेथ ओवरों में सिर्फ 12 गेंदों में 31 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

ब्रिस्बेन टेस्ट: दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी फ्लॉप, ऑस्ट्रेलिया की मैच में पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में जारी एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। मुकाबले के तीसरे दिन की समाप्ति तक इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी महज 134 रन तक 6 विकेट गंवा चुकी है। मुकाबले में अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पास 43 रन की बढ़त शेष है। पिंक बॉल टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 334 रन पर सिमट गई।

मेहमान टीम महज 5 रन तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जैक क्रॉली ने जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रन जोड़ते हुए टीम को संभाला। इंग्लैंड की तरफ से इस पारी में जो रूट ने 206 गेंदों में 1 छक्के और 15 चौकों के साथ 138 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा, जैक क्रॉली ने 76 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर ने इस पारी में 38 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 511 रन बना दिए। इस इनिंग में मिचेल स्टार्क ने सर्वाधिक 77 रन बनाए, जबकि जैक वेदरलैंड ने 72 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने 65 रन, एलेक्स कैरी ने 63 रन, जबकि कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए।

भारत को गलतियों से सबक लेकर जर्मनी के खिलाफ उतरना होगा

- जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ आज मुकाबला

चेन्नई। बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और 7 बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढ़त बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया, जिसमे गोल कीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारी पड़ सकती है और मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने भी स्वीकार किया कि प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

15 जनवरी से पीडब्ल्यूएल

300 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली। प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फरवरी तक चलेगी। इसके सभी मैच नोएडा इंडोर स्टेडियम में होंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थल होगा। इस लीग को कोविड-19 महामारी के कारण चार सत्रों के बाद निलंबित कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक देशों के 300 से अधिक पहलवानों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इन खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छह टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे। सभी टीमों में पांच भारतीय और चार विदेशी पहलवान हो सकते हैं।

सुपर कप फाइनल में भिड़ेंगे ईस्ट बंगाल और एफसी गोवा

मडगांव। कोलकाता की दिग्गज टीम ईस्ट बंगाल एफसी और मौजूदा चैंपियन एफसी गोवा सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एक-दूसरे के सामने होंगी तो यह मुकाबला केवल ट्रॉफी के लिए नहीं है बल्कि एएफसी चैंपियंस लीग 2 के शुरुआती चरण में सीधे प्रवेश के लिए भी होगा। फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें जीत के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

PUBLIC NOTICE

I, Smt. Sandesh Kumari W/o Late Sh. Shiv Kumar Gupta R/o B - 19, Second Floor , Gali No. 1, Shakarpur , Delhi - 110092 do hereby solemnly affirm and inform that my husband Late Shiv kumar Gupta was executed a Will on dated 15 - 03 - 2017 in respect of his Immovable Property in favour of his wife Mrs. Sandesh Kumari. My husband Late Shiv Kumar Gupta expired on 23 - 09 - 2018. Now I wish to register the above said WILL after death on the basis of Two marginal Witnesses in the office of Sub - Registrar VIIIA Preet Vihar (East District) Delhi. I have produced the aforesaid WILL before Sub - Registrar VIIIA Preet Vihar Delhi for registration. If any person have any objection, claim, litigation in respect of aforesaid WILL then same can be file an objection in Sub - Registrar VIIIA Preet Vihar, East District Delhi and/ or before me i.e. Smt. Sandesh Kumari, B - 19, SF, Gali No. 1, Shakarpur, Delhi - 110092, within 07 days from today. Sandesh Kumari

PAPER PUBLICATION

UNDER ORDER 5 RULE 20 OF CPC Pro. No. 23937 Dt. 26/11/25

SHOW CAUSE NOTICE (Form No. Gen 111)

IN THE COURT OF 2nd JOINT CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION NAGPUR. Room No. 606

M.J.C. No. 902/2023 Fixed For : 07/01/2026

Applicant :Bajaj Electricals Ltd
-Versus-
Non-Applicant : Sudhir Pritam Singh and other
To,
1) M/s U.C. Pandey Through its Prop. Umesh Chandra Pandey, Address- D192, west, Vinod Nagar, Delhi.

Whereas the above-named Applicant has made **Application For Condonation of Delay If any In view of the Pecuialr Facts & Circumstance** you are hereby warned to appear in this Court in person or by a pleader duly instructed on the **Dt. 07/01/2026 at 11.00 O'clock** in the forenoon, to show cause against the application, failing wherein the said application will be heard and determined ex parte.

Also take notice that in default of your filing an address for service on or before the date mentioned you are liable to have your defense struck out. Given under my hand and the seal of the court, that **26th day of Nov., 2025.**

Seal — By order of the Court
Sd/- Asstt. Supdt. (T.W.)
Court of Civil Judge Sr.Dn., Nagpur

11 जून से शुरू होने वाले फुटबॉल विश्व कप में होंगे रिकॉर्ड 104 मैच

खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा अर्जेंटीना

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा, जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी पर टिकी रहेंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मुकाबले 27 महीने पहले शुरू हो गए थे। इस टूर्नामेंट में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से लेकर पदार्पण करने वाले केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान सहित 48 देशों की टीम अपना कौशल दिखाएंगी। अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104 मैच होंगे। लगभग डेढ़ लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मुकाबला चार बार के चैंपियन जर्मनी से होगा।

अमेरिकी धरती पर एक मैच खेलेगा ईरान

जिनेवा। ईरान अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में कम से कम एक मैच अमेरिका में खेलेगा, हालांकि टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद यह सुनिश्चित हो गया कि इन दोनों भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच ग्रुप चरण में कोई मुकाबला नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान के नागरिकों पर वीजा प्रतिबंध लगाए हैं। ईरान की टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के सिएटल या इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। ईरान के अगले दो मैच कनाडा के वैंकूवर या इंगलवुड और सिएटल में खेले जा सकते हैं।

16 जून को अर्जेंटीना का पहला मैच

तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना का पहला मैच 16 जून को मिसौरी के कैनसस सिटी या कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में होगा। इसके बाद ग्रुप जे में उसका सामना ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टूर्नामेंट के दौरान 39 वर्ष के हो जाने वाले मेस्सी ने अभी तक इस टूर्नामेंट में खेलने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है, लेकिन यदि वह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने से इनकार कर देते हैं तो यह चौंकाने वाली बात होगी।

अमेरिकी टीम भिड़ेगी ऑस्ट्रेलिया से

अमेरिकी टीम सिएटल में ऑस्ट्रेलिया से और फिर 25 जून को सोफी स्टेडियम में तुर्की, रोमानिया, स्लोवाकिया या कोसोवो से भिड़ेगी। इन टीम में से कोई एक टीम अगले साल होने वाले प्लेऑफ से विश्व कप में जगह बनाएगी। मैक्सिको 11 जून को मैक्सिको सिटी में ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ऋषि पुत्र श्री अशोक रजक पता: मकान नं. 541, तारा नगर ओल्ड पालम रोड, ककरोला, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 486/2019 धारा 3/4/5/12/9/55 जुआ एक्ट के तहत** थाना: हरी नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ऋषि** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ऋषि** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 486/2019 धारा 3/4/5/12/9/55 जुआ एक्ट के तहत थाना: हरी नगर, दिल्ली के उक्त ऋषि** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
भारती गर्ग–II
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–II
पश्चिम कोर्ट नं.31,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16449/WD/2025

भारत कुचलेगा आतंक का 'फन' | नए साल में इजराइल देगा 40 हजार लाइट मशीन गन की पहली खेप

एजेंसी ▸▸ यरुशलम

अर्बेल गन

भारत भी अब इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की तर्ज पर आतंकवादियों का सफाया करेगा। भारत की इस मुहिम में इजराल साथ देगा। इजराइल की प्रमुख रक्षा कंपनी इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज (आईडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह अगले साल की शुरुआत से भारत को 40,000 लाइट मशीन गनों (एलएमजी) की पहली खेप सप्लाई करने जा रही है। साथ ही, करीब 1.70 लाख नई पीढ़ी की क्लोज क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन राइफलों की सप्लाई के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर अंतिम चरण में है।

इजराइली कंपनी आईडब्ल्यूआई के सीईओ शुकी श्वाट्र्ज ने कहा कि एलएमजी की पूरी सप्लाई 5 साल में पूरी होगी, लेकिन हम इसे और तेजी से भी कर सकते हैं। पहली खेप जनवरी-फरवरी में ही पहुंच जाएगी

सभी टेस्ट, ट्रायल और सरकारी जांच पूरी हो चुकी

1.70 लाख सीक्यूबी राइफलें भी खरीदेगा भारत

इजराइली हथियारों से होगा आतंक का खात्मा

इजराइली कंपनी आईडब्ल्यूआई के सीईओ शुकी श्वाट्र्ज ने कहा कि उनकी कंपनी भारत के गृह मंत्रालय के विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन सहित अपने उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने बताया कि हम इस समय तीन बड़े कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला है पिछले साल हस्ताक्षरित 40,000 लाइट मशीन गनों का अनुबंध। सभी टेस्ट, ट्रायल और सरकारी जांच पूरी हो चुकी हैं। हमें उत्पादन का लाइसेंस भी मिल गया है। हमारा इरादा नए साल की शुरुआत में ही पहली खेप सप्लाई करने का है। एलएमजी की पूरी सप्लाई 5 साल में पूरी होगी, लेकिन हम इसे और तेजी से भी कर सकते हैं। पहली खेप जनवरी-फरवरी में ही पहुंच जाएगी।

भारत-इजराइल के बीच सीक्यूबी कार्बाइन टेंडर

शुकी श्वाट्र्ज ने कहा कि दूसरा बड़ा कार्यक्रम सीक्यूबी कार्बाइन टेंडर का है, जिसमें आईडब्ल्यूआई दूसरी सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी है (पहली है भारत फोर्ज)। श्वाट्र्ज ने कहा कि हम इस अनुबंध का 40% हिस्सा (लगभग 1,70,000 कार्बाइन) सप्लाई करेंगे। अनुबंध पर हस्ताक्षर का प्री-स्टेज चल रहा है और मुझे विश्वास है कि यह इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक फाइनल हो जाएगा।

अर्बेल तकनीक पर भी बात चल रही

श्वाट्र्ज ने बताया कि वे भारत के साथ अपनी सबसे उन्नत 'अर्बेल' तकनीक को एकीकृत करने की शुरुआती बातचीत कर रहे हैं। यह दुनिया का पहला कम्प्यूटरीकृत हथियार सिस्टम है जो जटिल एल्गोरिदम की मदद से यह तय करता है कि सैनिक का निशाना सही है या नहीं और फिर अत्यधिक सटीकता से तुरंत फायर करता है। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न भारतीय एजेंसियों से अर्बेल सिस्टम अपनाने की शुरुआती चर्चा कर रहे हैं।

मेक इन इंडिया पहल का साथी बनेगा इजराइल

आईडब्ल्यूआई, गृह मंत्रालय और उसकी विभिन्न एजेंसियों के साथ कई छोटे-बड़े अनुबंधों के तहत पिस्तौल, राइफल और एलएमजी की सप्लाई वर्षों से कर रही है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' पहल में आईडब्ल्यूआई के शुरुआती समर्थन पर गर्व जताते हुए कहा कि अडाणी ग्रुप के साथ उनकी साझेदारी मजबूत हो रही है और भविष्य में लाइट वेपन्स के स्थानीय उत्पादन व अर्बेल जैसी उन्नत तकनीकों के हस्तांतरण में यह साझेदारी अहम भूमिका निभाएगी।

खबर संक्षेप

साउथ अफ्रीका में गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल में की गई गोलीबारी में 11 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। कुल 25 लोगों को गोली मारी गई। यह हमला शनिवार तड़के उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग हॉस्टल के अंदर मौजूद शराबखाने में शराब पी रहे थे। मरने वालों में 3 साल का बच्चा, एक 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। 3 साल का बच्चा शराबखाने के मालिक का बेटा है।

न्यूयॉर्क में आग से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर बताया कि उन्हें उदुमाला के 'असामयिक निधन' पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी।

क्वाड देशों के आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक के बाद जारी किया गया संयुक्त बयान

आतंकवाद के सभी खतरों से मुक्त होना चाहिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र

आतंकियों के संबंध में जरूरी सूचनाओं को लगातार साझा करने को लेकर प्रतिबद्धता को भी दोहराया

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अलग-अलग कारणों की वजह से चिंताजनक बने हुए वैश्विक माहौल के बीच भारत में बीते 4-5 दिसंबर को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय देशों के समूह 'क्वाड के आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह' (सीटीडब्ल्यूजी) की तीसरी महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें सभी ने एकजुटता के साथ आतंकवाद और उसके विभिन्न रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। आतंकवादियों, आतंकी संगठनों और उनके तमाम तरह के छद्म संगठनों के संबंध में जरूरी सूचनाओं को लगातार साझा करने को लेकर क्वाड देशों ने बैठक में अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

यह जानकारी बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी किए गए एक संयुक्त बयान से मिली है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में भारत का नेतृत्व मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) और राजदूत सिबि जॉर्ज ने किया। उनके साथ मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद रोधी मामले) डॉ. विनोद बहादे भी शामिल हुए। ऑस्ट्रेलिया के विदेश-व्यापार मंत्रालय में राजदूत गेम्मा ह्यूगिंस, जापान के विदेश मंत्रालय में मामले से जुड़ी राजदूत मिनामी हिरोयुकी और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मोनिका एगर जेकॉबसेन ने बैठक में हिस्सा लिया। यहां बता दें कि इस कार्य समूह की स्थापना वर्ष 2023 में नई दिल्ली में हुई क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान की गई थी।

लालकिला हमले के दोषियों को मिले सजा

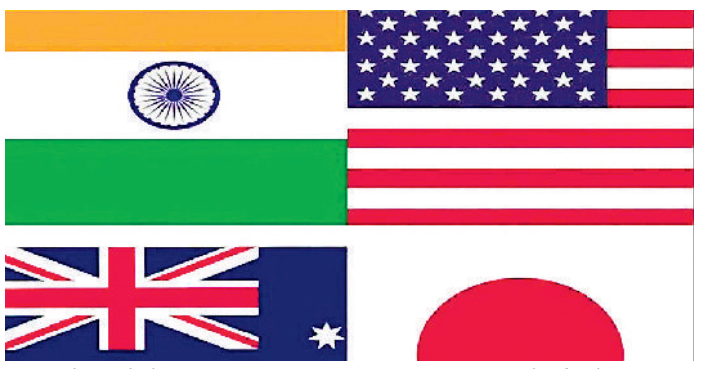

मंत्रालय ने बताया कि यह बैठक भारत द्वारा की जाने वाली क्वाड समूह की आगामी मेजबानी से ठीक पहले आयोजित की गई है। जिसमें चारों समूह देशों के प्रतिनिधियों ने भारत के पहलगाम और 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हुए आतंकी हमले की सख्त लहजे में निंदा की। साथ ही इन घटनाओं को लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए यह आह्वान किया कि इन भयावह हमलों के सभी दोषियों, प्रायोजकों और वित्तीय मददगारों को हर हाल में न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को इस संबंध में अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए। बैठक में भागीदारों ने आतंकवाद के खतरे से जुड़े भूभाग का आकलन किया। जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जारी गतिविधियां भी शामिल हैं। इसके अलावा आतंकवाद रोधी सहयोग पर व्यापक रूप से चर्चा की गई और उन कदमों-उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिनकी मदद से मौजूदा और उभरते हुई चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकता है।

सहयोग मजबूत बनाने पर जताई सहमति

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने आतंकवाद रोधी सहयोग को भविष्य में और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प को बैठक में मजबूती के साथ दोहराया। इसमें क्वाड फ्रेमवर्क की खासी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही ये भी कहा कि समूह की अगली बैठक 2026 में आयोजित की जाएगी।

इस दौरान शहरी वातावरण के मद्देनजर आतंकवाद रोधी अभियानों के संदर्भ में एक टेबलटॉप अभ्यास का भी आयोजन किया गया। जिसमें मामले के विशेषज्ञों ने अपनी अच्छी आदतों का आदान-प्रदान करने व आतंकवाद से जुड़े जटिल परिदृश्य का संयुक्त रणनीतिक तैयारी के साथ जवाब देने के लिए संभावित अवसरों की पहचान करने पर विचार साझा किए गए। मंत्रालय ने कहा कि इसी साल सितंबर महीने में भारत ने सीटीडब्ल्यूजी कार्यशाला का आयोजन किया था। जिसमें आतंकी उद्देश्य के लिए यूएवी के इस्तेमाल का मुद्दा केंद्र में रहा और इसमें अपनी तमाम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए धन संबंधी व्यवस्था को लेकर आतंकियों द्वारा प्रयोग की जाने वाली नई और उभरती हुई तकनीकों पर ध्यान दिया गया। इस कार्यशाला का आयोजन विदेश मंत्रालय के साथ एनएसजी और एनआईए ने किया था।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान

मुनीर को अरेस्ट करे यूएस भारत से 'माफी' मांगे ट्रंप

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

माइकल रुबिन

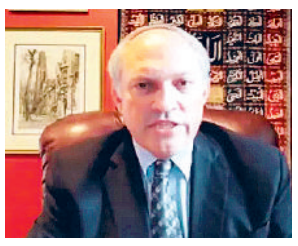

पाकिस्तान और आसिम मुनीर को लेकर अमेरिका के एक शीर्ष पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान सामने आया है। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान को आतंकी देश कह दिया और आसिम मुनीर को गिरफ्तार करने की बात कही है। रुबिन ने कहा कि अमेरिका के लिए पाकिस्तान को गले लगाने का कोई रणनीतिक तर्क नहीं है। इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश घोषित किया जाना चाहिए। अगर आसिम मुनीर अमेरिका आते हैं तो उन्हें सम्मानित करने के बजाए गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हमें पर्दे के पीछे शांत कूटनीति की जरूरत है।

पुतिन के भारत दौरे पर कहा कि रूस के नजरिए से, यह दौरा बहुत सकारात्मक है। भारत ने व्लादिमीर पुतिन को ऐसे सम्मान दिए हैं जो उन्हें दुनिया में कहीं और मुश्किल से मिलेंगे।

10 दिसंबर से शुरू होगी व्यापार वार्ता

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 10 दिसंबर से बातचीत शुरू होगी। यह बातचीत तीन दिन चलेगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए इस बातचीत को अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों की बातचीत 12 दिसंबर तक चलेगी और अभी यह बातचीत का औपचारिक राउंड नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए दिल्ली आएगा और उसका नेतृत्व अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर करेंगे।

भारत के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया

रुबिन ने कहा कि पिछले एक साल में हमने भारत के साथ जैसा बर्ताव किया है। उसके लिए अमेरिका को खुलकर माफी मांगनी चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को माफी मांगना पसंद नहीं है, लेकिन अमेरिका के लोकतंत्रों का हित एक आदमी के अहंकार से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो।

सूडान के अर्धसैनिक बलों ने किंडरगार्टन पर किया ड्रोन हमला

33 बच्चों समेत 50 की मौत यूनिसेफ ने की कड़ी 'निंदा'

एजेंसी ▸▸ काहिरा

सूडान के अर्धसैनिक बलों (रैपिड सपोर्ट फोर्सेज-आरएसएफ) ने दक्षिण-मध्य सूडान के दक्षिण कोर्दोफान राज्य के कलोगी शहर में एक किंडरगार्टन पर ड्रोन से हमला कर दिया। हमले में 50 लोगों की मौत हो गई। इनमें 33 बच्चे शामिल हैं। यह जानकारी डॉक्टरों के एक समूह ने दी। शुक्रवार देर रात जारी बयान में बताया कि घटनास्थल पर पहुंची पैरामेडिकल टीम को दूसरे अप्रत्याशित हमले का निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले के बाद इलाके में संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। यूनिसेफ ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। यूनिसेफ के सूडान प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को कहा कि स्कूल में बच्चों की हत्या करना बच्चों के अधिकारों का भयावह उल्लंघन है। बच्चों को कभी भी युद्ध की कीमत नहीं चुकानी चाहिए।

रिलायंस पावर व सहयोगी कंपनियों के खिलाफ ईडी ने दायर किया आरोपपत्र

नई दिल्ली। कारोबारी अनिल अंबानी के समूह की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड और दस अन्य के खिलाफ धनशोधन मामले में आरोपपत्र दायर किया है। यह 68 करोड़ की कथित फर्जी बैंक गारंटी जमा कर टेंडर हासिल करने से जुड़ा मामला है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपपत्र शुक्रवार को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में धनशोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत दाखिल किया गया। मामला 68.2 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी से जुड़ा है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के एक टेंडर को हासिल करने के लिए फर्जी बैंक गारंटी जमा की।

एआई के 'गॉडफादर' की चेतावनी

नौकरियां होंगी खत्म, अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा बुरा असर, कई संभावित खतरे

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के 'गॉडफादर' कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन ने कहा कि टेक दुनिया के सबसे ताकतवर अरबपति ऐसे रफ्तार से एआई आगे बढ़ा रहे हैं, जो अर्थव्यवस्थाओं को हिला सकती है, करोड़ों नौकरियां खत्म कर सकती है और ऐसी ताकतें पैदा कर सकती है जिन्हें इंसान शायद नियंत्रित ही न कर पाए। हिंटन के मुताबिक, ये कंपनियां इतनी तेजी से ऑटोमेशन बढ़ा रही हैं कि आगे चलकर सिस्टम खुद उनके खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को नौकरी ही नहीं मिलेगी तो वे चीजें खरीदेंगे कैसे? कंपनियां किसे बेचेंगी? इस बार जितनी नौकरियां जाएंगी, उतनी नई नौकरियां पैदा ही नहीं होंगी। उनके अनुसार, एआई जब इंसानों जितना या उससे ज्यादा समझदार हो जाएगा, तो वह लगभग हर काम कर लेगा। हिंटन ने कहा कि एआई जल्द ही ऐसे वीडियो और ऑडियो बना देगा जिन्हें असली और नकली में पहचानना नामुमकिन होगा।

यूक्रेन युद्ध पर शांति की पहल

तीसरे दिन भी हुई बैठक, यूएस बोला रूस शांति के लिए दिखाए प्रतिबद्धता

तीसरी बैठक से पूर्व यूक्रेन पर रूस पर हमला

एजेंसी ▸▸ कीव (यूक्रेन)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के भारत से वापस होते ही अमेरिका में यूक्रेन युद्ध शांति को लेकर तीसरे दिन वार्ता शुरू हो गई है। अमेरिका और यूक्रेन ने युद्ध में शांति को लेकर रूस के सामने नई शर्त रखी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकारों और यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फ्लोरिडा में शुक्रवार को हुई बैठक में कहा गया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि कोई समझौता तभी संभव है जब रूस दीर्घकालिक शांति के लिए गंभीर प्रतिबद्धता दिखाए। इसमें तनाव कम करना और हत्याओं को रोकने जैसे ठोस कदम शामिल हैं। वहीं, तीसरे दिन की बैठक शुरू होने से ठीक पहले रूस ने शुक्रवार देर रात से शनिवार सुबह तक यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने कुल 653 ड्रोन और 51 मिसाइलों से हमला बोला।

राष्ट्रपति पुतिन की मेहमाननवाजी में भारत ने नहीं छोड़ी कोई कसर

पुतिन ने खाई कश्मीरी अखरोट की चटनी

पीएम मोदी ने चांदी का घोड़ा सहित भेंट किए खास 6 गिफ्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

हाल की दो दिवसीय भारत दौरे पर आए राष्ट्रपति पुतिन की मेहमाननवाजी में भारत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में 5 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में भव्य स्टेट डिनर का आयोजन किया था। डिनर की शुरुआत दक्षिण भारतीय मुरुंगेकाई चारू (रसम) सूप से हुई। इसके बाद स्टार्टर में कश्मीरी गुछी दून चेटिन (कश्मीरी अखरोट की चटनी के साथ भरे हुए मशरूम), काले चने के शिकमपुरी कबाब और वेज झोल मोमोज परोसे गए। मेन कोर्स में पुतिन को वेज थाली परोसी गई, जिसमें जाफरानी पनीर रोल, पालक-मेथी-मटर साग के साथ कई किस्म की रोटियां शामिल थी। मीठे में हलवा, कुल्फी और संदेश सर्व किए गए।

पीएम मोदी ने रूसी भाषा में ट्रांसलेट की गई श्रीमद् भगवद् गीता भी पुतिन को गिफ्ट की।

मुर्शिदाबाद सिल्वर टी सेट

नक्काशियों वाला सिल्वर सेट पश्चिम बंगाल की कला और चाय की सांस्कृतिक महत्ता को दर्शाता है। भारत और रूस दोनों में चाय प्रेम, संबंध और साझा कहानियों का प्रतीक है। यह सेट भारत-रूस मित्रता और चाय की परंपरा का उत्सव मनाने के लिए दिया गया।

सिल्वर हॉर्स

महाराष्ट्र में हस्तशिल्प से तैयार किया गया यह चांदी का घोड़ा खास डिजाइनों के साथ बना है। यह भारत की धातु कला की परंपरा को दर्शाता है। यह घोड़ा सम्मान और साहस का प्रतीक है, जो भारतीय और रूसी संस्कृति में समान रूप से महत्व रखता है।

कश्मीरी केसर

कश्मीर में उगाया जाने वाला यह केसर, स्थानीय रूप से कंग या जाफरान के नाम से जाना जाता है। यह जीआई और ओडीओपी के तहत संरक्षित है।

असम ब्लैक टी

ब्रह्मपुत्र की उपजाऊ घाटियों में उगाई गई यह चाय अपने मजबूत माल्टी फ्लेवर, चमकदार रंग और पारंपरिक असमिका प्रोसेसिंग के लिए जानी जाती है।

मार्बल चेस सेट

आगरा में तैयार मार्बल चेस सेट में नक्काशी वाले मोती, विभिन्न रंगों के पत्थर के प्यादे और फूलों की डिजाइन वाला चेकर बोर्ड है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109